भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 259 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | सोमवार 13 सितम्बर 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए ''क्रियायोग अभ्यास करें'' सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

राम भक्तों पर गोली चलाने वालों और तालिबान समर्थकों को बर्दाश्त ना करे जनता : सीएम योगी

कुशीनगर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राम भक्तों पर गोली चलाने वाली तालिबान समर्थक जातिवादी-वंशवादी मानसिकता को यूपी की जनता कतई बर्दाश्त न करे। याद रखिएगा! बिच्छू कहीं भी होगा तो डंसेगा। इसके बाद सीएम योगी ने जनता से राम मंदिर के लिए खुशी पूछी और कहा कि कांग्रेस सरकार में राम मंदिर नहीं बन पाता। सपा व बहुजन समाज पार्टी भी नहीं बना पाती। अब मंदिर निर्माण को देख विपक्ष के अब लोग बोलने लगे हैं कि हम अब स्मारक नहीं बनाएंगे। सीएम रविवार को कुशीनगर के कप्तानगंज व सेवरही में जन संवाद एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा कि रामभक्तों पर गोली चलाने वाले नतो मंदिर बना पाते, न 370 हटाते और न ही तीन तलाक हटा पाते। सवा सात वर्ष पीएम मोदी न झुके, न थके, न डिगे, निरन्तर देश के लिए

कार्य कर रहे हैं। मोदी की प्रेरणा से बिना थके, बिना डिगे हमने जनता की सेवा की है। योगी ने कहा कि विपक्ष ने किसानों व गरीबों के हक पर लगातार डकैती डाली। हमने किसानों को सम्मान निधि दी। अब किसान किसी के आगे हाथ फैलाने को मजबूर नहीं हैं। केन्द्र की मोदी सरकार ने हर गरीब को मुफ्त राशन दिया और कोरोना की मुफ्त वैक्सीन सभी को दी है। इसी का असर है कि यूपी में कोरोना काफी हद तक नियंत्रित हो गया है। रविवार को यूपी की 24 करोड़ आबादी में केवल 14 केस आए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को गन्ना मूल्य के रूप में 2007 से 2016 तक करीब 95 हजार करोड़ का भुगतान किया गया। उसमें भी कई जगह भारी गड़बड़ियां हुईं। भाजपा सरकार ने महज साढ़े चार साल में इससे अधिक का भुगतान कर दिया और कहीं गड़बड़ी नहीं होने दी। जीत के मायने तभी जब विपक्षियों की जमानत जब्त हो जाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी

योगी आदित्यनाथ बोले- पहले अब्बाजान कहने वाले हजम कर जाते थे गरीबों का राशन, अब सबको मिलता है मुफ्त

कुशीनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। पूर्व की सरकारों से अपनी सरकार की तुलना करते हुए योगी ने यह भी कहा कि 'अब्बाजान कहने वाले' पहले गरीबों का राशन डकार जाते थे, लेकिन अब सबको यह मुफ्त मिल रहा है। कुशीनगर में कई विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास करने पहुंचे सीएम योगी ने सपा-बसपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। योगी ने कहा ने कहा, ''आज हर गरीब को मुफ्त राशन मिल रहा है। 2017 के पहले अब्बाजान कहने वाले गरीबों का राशन हजम कर जाते थे। उनके चेलों में बंटकर यह राशन नेपाल व बांग्लादेश चला जाता था। आज कोई गरीबों का राशन निगलने की कोशिश करेगा तो निगल भले न सके लेकिन जेल जरूर चला जाएगा।'' उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में शासन करने वाले लोग और शागिर्द माफिया गरीबों का राशन हजम कर जाते थे। सीएम योगी रविवार को भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर जिले के कप्तानगंज और सेवरही में विकास परियोजनाओं के लिए आयोजित लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे थे। सीएम योगी ने इस दौरान कुशीनगर में भगवान बुद्ध के नाम पर जल्द ही मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास और शीघ्र ही कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के शुभारंभ करने की घोषणा भी की।

की प्रेरणा से बिना थके, बिना डिगे हमने जनता की सेवा की है। योगी ने साढ़े चार साल तक के अपने काम गिनाए और कहा कि अगर इस भाव से सेवा कर सके तो आगे भी मौका चाहिए। कार्यकर्ताओं को यह संकल्प लेना होगा। जीत के मायने तभी हैं, जब विपक्षियों की जमानत जब्त हो जाए। सीएम ने कहा कि कुशीनगर में मेडिकल कॉलेज का निर्माण हो रहा है। यह भगवान बुद्ध को समर्पित होगा। कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हवाई जहाज की उड़ान जल्द होगी। पहली उड़ान अंतरराष्ट्रीय होगी। कार्यक्रम को प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने भी संबोधित किया। स्वागत भाषण गो सेवा आयोग उपाध्यक्ष अतुल सिंह ने दिया। हेलीपैड पर सीएम का भाजपा पदाधिकारियों ने स्वागत किया।

बड़ी खुशखबरीः अगले महीने फाइजर ला सकता है 5-11 साल के बच्चों की कोरोना वैक्सीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारियों का मानना है कि फाइजर इंक की कोविड -19 वैक्सीन को अक्टूबर के अंत तक 5-11 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए अधिकृत किया जा सकता है। शुक्रवार को स्थिति से परिचित सूत्रों ने ये जानकारी दी है।ये टाइमलाइन इस उम्मीद पर आधारित है कि फाइजर के पास अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) से उस आयु वर्ग के लिए आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण (ईयूए) प्राप्त करने के लिए क्लीनिकल ट्रायल से पर्याप्त डेटा होगा। वे अनुमान लगाते हैं कि एफडीए इस पर निर्णय ले सकता है कि ईयूए जमा करने के तीन सप्ताह के भीतर छोटे बच्चों में शॉट सुरक्षित और प्रभावी है या नहीं।

लाखों अमेरिकी छोटे बच्चों के लिए वैक्सीन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, विशेष रूप से माता-पिता जिनके बच्चों को हाल के हफ्तों में डेल्टा वैरिएंट का संक्रमण हुआ था। सूत्रों के अनुसार फौसी ने कहा यदि फाइजर सितंबर के अंत तक अपना ईयूए जमा करता है, तो अक्टूबर तक फाइजर उत्पाद तैयार हो जाएगा।स्रोत के अनुसार, फौसी ने कहा कि मॉडर्ना इंक को फाइजर की तुलना में 5-11 वर्ष की आयु के बच्चों पर अपना डेटा एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने में लगभग तीन सप्ताह का समय लगेगा। उन्होंने अनुमान लगाया कि स्रोत के अनुसार, मॉडर्ना शॉट पर निर्णय नवंबर के आसपास आ सकता है।

राहुल गांधी को बनाया जाए कांग्रेस अध्यक्ष, एनएसयूआई ने पास किया प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की छात्र इकाई, नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया एनएसयूआई

ने रविवार को एक प्रस्ताव पास किया। इस प्रस्ताव में राहुल गांधी को पार्टी अध्यक्ष बनाने की मांग की गई है। अपने दो दिवसीय नेशनल एग्जीक्यूटिव 'संकल्प' के बाद एनएसयूआई ने एक स्वर में यह प्रस्ताव पास किया। गौरतलब है कि एक सप्ताह पहले ही यूथ कांग्रेस ने भी राहुल गांधी के लिए इसी तरह का प्रस्ताव पास किया था।एनएसयूआई के बयान में कहा गया है कि राहुल गांधी ही वह ईमानदार नेता हैं, जिन्होंने छात्रहित की बात की। उन्होंने छात्रों की भलाई के लिए आवाज उठाई। साथ ही छात्रों से जुड़े मसलों पर जरूरी समर्थन भी जुटाया। इस बयान में यह भी कहा गया है कि राहुल गांधी ही छात्रों को ढंग से न्याय दिला सकते हैं। एकमात्र वही नेता हैं जो छात्रहित में लोकतंत्र और पारदर्शिता का ख्याल रख सकते हैं। इस बयान में आगे कहा गया है कि हम भारतीय छात्रों के प्रति राहुल गांधी के समर्पण की तारीफ करते हैं। यह हमें ताकत देता और उनके नेतृत्व में भरोसा पैदा करता है। एनएयूआई ने आगे कहा है कि हमें यकीन है राहुल गांधी के नेतृत्व में एक शांतिप्रिय समाज की स्थापना हो सकती है।

आज अकेले शपथ लेंगे गुजरात के नए सीएम भूपेंद्र पटेल, मंत्रियों और डिप्टी सीएम पर बाद में फैसला

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के नए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल कल राज्य के 17वें मुख्यमंत्री के तौर पर पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। सत्तारूढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी आर पाटिल ने श्री पटेल के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भूपेंद्र पटेल कल अकेले ही शपथ लेंगे। पार्टी संगठन के साथ चर्चा के बाद अगले एक-दो दिन में मंत्रियों के नामों की घोषणा होगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अभी डिप्टी सीएम पोस्ट के लिए कोई चर्चा नहीं हुई है।इससे पहले भूपेंद्र पटेल ने मुख्यमंत्री पद का दायित्व देने और उन पर विश्वास जताने के लिए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने सीआर पाटिल, पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और आनंदीबेन पटेल के प्रति भी आभार जताया। भूपेंद्र पटेल ने कहाकि उन पर जताए गए विश्वास को बनाए रखते हुए वह विकास के बाकी काम आगे बढ़ायेंगे। वह आज शाम राजभवन जाकर राज्यपाल आचार्य देवव्रत से मिल सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे और कल शपथ ग्रहण करेंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें मुख्यमंत्री बनाए जाने के बारे में पहले से कुछ अंदेशा था? भूपेंद्र पटेल ने कहा कि पहले से बताना भाजपा की पद्धति नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल चुनाव पर ध्यान केंद्रित करके काम करने वाली पार्टी नहीं है। इसके कार्यकर्ता हमेशा जनता के बीच रहकर काम करते रहे हैं और करते रहेंगे। गौरतलब है कि गुजरात में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के अचानक इस्तीफा देने के एक दिन बाद जबरदस्त राजनीतिक गहमागहमी और अटकलबाजियों के बीच भूपेन्द्र रजनीकांत पटेल को उनका उत्तराधिकारी चुन लिया गया।

अहमदाबाद अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी के प्रमुख रहे भूपेंद्र पटेल कार्यकाल के हिसाब से गुजरात के 22वें और चेहरे के लिहाज से 17वें मुख्यमंत्री होंगे। पेशे से बिल्डर रहे भूपेंद्र पटेल उस सरदारधाम ट्रस्ट के ट्रस्टी भी हैं जिसके भवन का उद्घाटन अहमदाबाद में ऑनलाइन कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। उसी कार्यक्रम के बाद श्री रूपाणी ने अचानक इस्तीफा दे दिया था। विजय रूपाणी के इस्तीफे के बाद से अधिकतर राजनीतिक प्रेक्षकों का यह मानना था कि अगला मुख्यमंत्री राज्य में दबंग माने जाने वाले पाटीदार समुदाय का होगा। आखिर में ऐसा हुआ भी।

राजौरी मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने मार गिराया एक आतंकी

जम्मू (एजेंसी)। रविवार को सुरक्षा बलों ने एक अज्ञात आतंकवादी को मार गिराया। सुरक्षा बलों की इस आतंकी से मुठभेड़ एक सर्च ऑपरेशन के दौरान हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि यह मुठभेड़ जम्मू-कश्मीर के ऊपरी हिस्से में स्थित राजौरी जिले में हुई। अधिकारियों ने बताया कि खबर लिखे जाने तक एनकाउंटर चल रहा था। अधिकारियों के मुताबिक सेना और पुलिस की संयुक्त रविवार को एक सर्च अभियान पर थी। यह सर्च अभियान माजाकोट के बारोट गली में स्थित डोरी माल के जंगली इलाकों में चलाया जा रहा था। इसी दौरान आतंकियों ने सर्च टीम के ऊपर फायरिंग शुरू कर दी।

चुनाव से पहले पंजाब कांग्रेस में एक और बड़े नेता के बागी सुर, कैप्टन सरकार को बताया हर मोर्चे पर विफल

होशियारपुर (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब कांग्रेस में आंतरिक कलह शांत होने का नाम नहीं ले रही है। नवजोत सिंह सिद्धू और कैप्टन अमरिंदर सिंह में टकराव के बीच पार्टी के एक और बड़े नेता ने बागी सुर अपना लिए हैं। पंजाब प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष शमशेर सिंह दूलो ने राज्य में अपनी ही सरकार हर बरसते हुए इसे हर मोर्चे पर विफल बताया है। दूलो ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार ने दलित विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति घोटाले के दोषियों और जहरीली शराब से हुई मौतों के दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। सरकार ने न तो रेत खनन माफियाओं पर नकेल कसी और न ही नशे पर अंकुश लगा सकी। गुरु ग्रंथ साहिब का अनादर करने वालों को भी सजा नहीं मिली। दूलो ने कहा, ''हमें लोगों को घर-घर नौकरी देने के वादों को लेकर हर जगह जवाब देना पड़ता है। आतंकवाद के खिलाफ बहादुरी से लड़ने वाले कांग्रेस के टकसाली कार्यकर्ता आज ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

गुजरातः रंग में भंग डालेंगे नितिन पटेल? मुख्यमंत्री नहीं बनाए जाने से नाराजगी की अटकलें

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात में विजय रूपाणी के इस्तीफे के बाद से ही उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल सहित कई दिग्गजों के नामों पर अटकलें चल रही थीं, लेकिन बाजी मार गए भूपेंद्र पटेल। इस बीच आस लगाए बैठे नितिन पटेल की नाराजगी की बात सामने आ रही है। नवनियुक्त मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल घोषणा के तुरंत बाद रविवार शाम राजभवन पहुंचे और सरकार बनाने का दावा पेश किया। हालांकि इस दौरान पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल की अनुपस्थिति को लेकर इस दिग्गज नेता की नाराज़गी की अटकलें तेज़ हो गई हैं। पहली बार के विधायक भूपेंद्र पटेल के नाम की अचानक घोषणा से पहले जिन नामों को मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे माना जा रहा था उनमें एक राज्य के सबसे अनुभवी भाजपा नेता और आधा दर्जन से अधिक बार विधायक और मंत्री रह चुके नितिन पटेल का नाम शामिल था। विधायक दल की बैठक से पहले उन्होंने पत्रकारों से कहा भी था कि मुख्यमंत्री एक अनुभवी विधायक को होना चाहिए। सूत्रों ने बताया कि भूपेंद्र पटेल के नाम की घोषणा के बाद ही वह अपने गृह नगर

महेसाणा रवाना हो गए। आम तौर पर मीडिया से खूब बात करने वाले पटेल ने पत्रकारों से बात भी नहीं की।इससे पहले वर्ष 2017 में जब उन्हें वित मंत्रालय का प्रभार नहीं दिया गया था तो उन्होंने लगभग खुले बग़ावती तेवर अपना लिए थे। पार्टी आलाकमान को उनके सामने झुकना पड़ा था। भूपेंद्र पटेल कल राज्य के 17 वें मुख्यमंत्री के तौर पर पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। अब देखना ये होगा कि नितिन पटेल इसमें शामिल होते हैं या नहीं। बताया जा रहा है कि उन्हें उत्तराखंड के राज्यपाल पद का प्रस्ताव दिया गया है।

राजनीति के माहिर नितिन पटेल सक्रिय राजनीति में बने रहना चाहते हैं। बताया जाता है कि उनके पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी से भी अच्छे संबंध नहीं थे। रूपाणी जहां अमित शाह के पसंदीदा थे वही नितिन पटेल गुजरात की राजनीति में शाह का विरोधी खेमा मानी जाने वाली आनंदीबेन पटेल के नज़दीकी माने जाते हैं।

अचानक रात में गुजरात पहुंचे थे बीजेपी के 'चाणक्य', फिर लिखी रूपाणी के इस्तीफे की कहानी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात में मुख्यमंत्री बदलकर सबको फिर से चौंका दिया है। विजय रूपाणी ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है और अब उनके उत्तराधिकारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी में मंथन का दौर जारी है। माना जा रहा है कि विजय रूपाणी के बाद कुछ मंत्रियों पर भी गाज गिर सकती है। बीजेपी अगले विधानसभा चुनाव में किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहती,

इसलिए उसने कार्यकाल पूरा होने से पहले ही मुख्यमंत्री के चेहरे को बदलने का फैसला लिया। हालांकि, यह फैसला इतना आसान नहीं था क्योंकि इस अहम घटनाक्रम में खुद केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह को एंट्री लेनी पड़ी। एक खबर की मानें तो अमित शाह के दखल के बाद ही इतनी आसानी से गुजरात में यह सबकुछ संभव हो पाया। माना जाता है कि विजय रूपाणी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कीरीबी दोस्त हैं। विजय रूपाणी के इस्तीफे से एक दिन पहले अचानक अमित शाह गुजरात के दौरे पर गए थे। अंग्रेजी वेबसाइट ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि अमित शाह शुक्रवार की रात में गुजरात पहुंचे थे और अगली सुबह वापस आ गए थे। ऐसा कहा जा रहा है कि इस दौरान उन्होंने बीजेपी के सीनियर नेताओं के साथ बैठक की थी और इसी बैठक में विजय रूपाणी के इस्तीफे को लेकर फैसला हुआ था।

देर रात काफी देर तक मंथन के बाद इस बैठक में यह तय हो गया था कि विजय रूपाणी को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना होगा। हालांकि, इस बैठक के फैसले को काफी गुप्त रखा गया और अगली सुबह अमित शाह वापस दिल्ली आ गए। जब शनिवार को विजय रूपाणी राज्यपाल आचार्य देवव्रत से मिलने जा रहे थे, तब भी लोगों को यह अंदेशा नहीं था कि वह इस्तीफा देने जा रहे हैं। मगर कई तरह के कयासों से बीच शनिवार को दोपहर में विजय रूपाणी ने इस्तीफा दे दिया।

स्विट्जरलैंड में प्रॉपर्टी रखने वालों की खुलेगी पोल, भारत सरकार को इसी महीने मिलेगा ब्योरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्विट्ज़रलैंड में धन और प्रॉपर्टी रखने वाले कुछ और भारतीयों की पोल खुलने जा रही है। स्विट्ज़रलैंड इस महीने ऑटोमैटिक सूचना आदान प्रदान समझौते के तहत भारतीय नागरिकों से जुड़े स्विस खातों की तीसरी किस्त सौंपने जा रहा है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्विट्ज़रलैंड की ओर से इस बार जो डेटा दिया जाएगा, उसमें भारतीय नागरिकों की वहां मौजूद रियल स्टेट प्रॉपर्टीज और इस तरह की संपत्ति से हुई कमाई का ब्योरा शामिल होगा।कालेधन के खिलाफ जंग में इसे बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। स्विट्ज़रलैंड की ओर से उन भारतीय नागरिकों का डेटा सरकार को दिया जाएगा, जिनके फ्लैट और अपार्टमेंट वहां हैं। इन प्रॉपर्टीज से हुई कमाई का ब्योरा भी दिया जाएगा, ताकि सरकार इस बात की जांच कर सके कि क्या इन पर कोई टैक्स देनदारी बनती है।यह तीसरी बार है जब भारत को स्विट्ज़रलैंड से नागरिकों के बैंक खातों और वित्तीय संपत्तियों की जानकारी मिलेगी। लेकिन पहली बार रियल स्टेट प्रॉपर्टीज से जुड़ी जानकारियां साझा की जाएंगी।

खबर संक्षेप

मंदिर परिसरों में चला सफाई अभियान, स्थापित कराए गए डस्टबिन

नैनी। सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान अरैल, नैनी की ओर से रविवार को नागवासुकी मंदिर, दशाश्वमेध मंदिर एवं श्री वेणी माधव मंदिर में स्वच्छता अभियान चलाकर तीनों पवित्र मंदिरों पर दो-दो डस्टबिन को ममता द्विवेदी- हाईकोर्ट रजिस्टार,डां संगम लाल विश्वकर्मा- नेत्र विशेषज्ञ-चाका ब्लाक नैनी, प्रतीक त्रिपाठी-समाजसेवी, महेश प्रसाद केसरवानी, विकास मिश्रा-समाजसेवी, सरिता खुराना-इनरवहील क्लब इलाहाबाद आफ ईस्ट के सहयोग से स्थापित कराया गया। इस मौके पर वेणीमाधव मंदिर की महंत व महामण्डलेश्वर वैभव गिरि व अनामिका चौधरी- प्रांत संयोजक गंगा विचार मंच (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन) जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा गंगा तटों, मठ मंदिरों को स्वच्छ बनाए रखने हेतू जनमानस से जागरूक कर अपील किया। इस दौरान संतोष तिवारी, कुंवर जी तिवारी, मनीष पांडेय, सुनील निषाद, संदीप सिंह, संतोष गौतम, अनिल विश्वकर्मा,डां प्रमोद मिश्रा व ओम प्रकाश श्रीवास्तव सहित कई लोग मौजूद रहे।

उपमुख्यमन्त्री ने किया सहसों ब्लॉक भवन का शिलान्यास

भवन शिलान्यास के अवसर पर 4 कि.मी. सड़क की स्वीकृति डिप्टीसीएम ने की

विकासखंड सहसों में छूटे हुए गांव को जोड़ने का भी दिया आश्वाशन

अखंड भारत संदेश

शिलापट का लोकार्पण करते उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

उप मुख्यमंत्री का स्वागत करते कार्यकर्ता

सहसों। नवसृजित सहसों विकासखण्ड मुख्यालय का शिलान्यास उप मुख्यमन्त्री उत्तर प्रदेश शासन केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को दोपहर में किया। इस मौके पर विधि-विधान पूर्वक शिलान्यास स्थल पर आचार्य प्रशांत शुक्ला के नेतृत्व में पांच विद्वान आचार्य द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ शास्त्र सम्मत पूजन किया गया। तत्पश्चात सिलापट का लोकार्पण भी डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में कार्यकताओं द्वारा उप मुख्यमन्त्री का माल्यार्पण कर स्वागत अभिनंदन किया गया। इस मौके पर ग्राम प्रधान थानापुर विजयलक्ष्मी सिंह चंदेल ने गणेश जी की प्रतिमा भेंट कर मुख्य अतिथि केशव प्रसाद मौर्य का अभिनंदन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि केशव प्रसाद मौर्या ने कहा सहसों विकासखन्ड आने वाले कितने पीढ़ियों के विकास का स्तंभ बनेगा। उन्होंने कहा गांव में बन रहे ब्लॉक मुख्यालय से गांव के विकास को गति मिलेगी तथा निरंतर लोगों को प्रत्येक कार्य के लिए सुविधा रहेगी। उन्होंने कहा भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में गुंडाराज का खात्मा करके सड़क, बिजली, आवास पर महत्वपूर्ण कार्य किया है। अंततः उप मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा सहसों बाईपास से लेकर बगई कला चौराहा तक सड़क चौड़ीकरण की स्वीकृति दिया तथा विकासखन्ड सहसों से सटे गांवों को इस विकासखन्ड में जोड़ने का भी उन्होंने आश्वासन दिया। एवं नवनिर्मित ग्राम पंचायत सचिवालय थानापुर का उद्घाटन भी किया। शिलान्यास के अवसर पर फूलपुर के सांसद केसरी देवी पटेल, क्षेत्रीय विधायक प्रवीण पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष वीके सिंह, ब्लाक प्रमुख सहसों गीता सिंह, ब्लाक प्रमुख फूलपुर विपेन्द्र सिंह पटेल आदि लोगों ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला विकास अधिकारी अशोक कुमार मौर्या व अध्यक्षता खन्ड विकास अधिकारी दिव्या सिंह ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से गीता सिंह एवं ग्राम प्रधान विजयलक्ष्मी सिंह चंदेल ने मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस मौके पर आसपास क्षेत्र की भारी संख्या में आईं महिलाएं लोगों का आकर्षण का केंद्र रही। चिलचिलाती धूप व गर्मी में भी उप मुख्यमंत्री के विचार को सभी महिलाएं अपने स्थान पर बैठकर सुनती रहीं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व विधायक दीपक पटेल, गुरु प्रसाद मौर्य, विक्रमादित्य मौर्य, जिला अध्यक्ष अश्विनी दिवेदी, पूर्व जिला अध्यक्ष अमरनाथ तिवारी, अमरनाथ यादव, कन्हैया लाल पांडे, प्रमुख प्रतिनिधि समाजसेवी शिवनारायण सिंह गप्पू , संजय सिंह चंदेल, प्रताप बहादुर सिंह, राकेश बहादुर सिंह, मंडल महामंत्री संजय सिंह व पवन कुमार शुक्ला, मंडल अध्यक्ष अनिल सरोज, सत्यम त्रिपाठी उर्फ वीके, शुभम शुक्ला, आलोक सिंह, जय प्रकाश दुबे, राजधर द्विवेदी, विष्णु केसरवानी, कृष्ण बल्लभ द्विवेदी, वीरू पांडे, रमेश कुमार द्विवेदी, चिंतामणि शुक्ला, फूलचंद साहू, प्रहलाद दास मोदनवाल, जिला मीडिया प्रभारी बृजेश कुमार त्रिपाठी, राजेंद्र यादव, राजेंद्र केसरवानी, जिला उपाध्यक्ष आशीष केसरवानी, जीतलाल त्रिपाठी सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

राष्ट्रीय स्वर्ण समाज एकता मंच बुंदेलखंड क्षेत्र के मार्तंड शर्मा बने प्रभारी

मेजारोड। रविवार को नवनियुक्त राष्ट्रीय सवर्ण समाज एकता मंच उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड प्रभारी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया।
बता दें कि क्षेत्र के कठौली गांव निवासी मार्तंड शर्मा उर्फ मंटू को राष्ट्रीय सवर्ण समाज एकता मंच उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड प्रभारी बनाया गया। रविवार को श्यामकली इंटरमीडिएट कालेज मे राष्ट्रीय सवर्ण समाज एकता मंच के पदाधिकारियों के द्वारा उनको माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान मंटू शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वर्ण समाज एकता मंच के पदाधिकारी अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। संगठन का मकसद है कि आरक्षण को खत्म करते हुए आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया जाय। इस अवसर नगर प्रभारी मनीष सिंह व जिला सचिव विष्णु सिंह ने कहा कि आरक्षण को खत्म कर सभी वर्गों को बराबर का हक दिया जाना चाहिए। इस मौके पर जिला महासचिव संजीव सिंह, विधानसभा अध्यक्ष मेजा जितेंद्र मिश्रा, विजय प्रताप शर्मा, अमित शुक्ला, सोमू शुक्ला, डबल तिवारी, राहुल तिवारी, सुनील शर्मा गुड्डू, नीरज सहित दर्जनों पदाधिकारी मौजूद रहे।

पावर हाउस कर्मचारियों को प्रधान प्रतिनिधि ने किया सम्मानित

मेजा रोड। रविवार को सिरसा,बरी पॉवर हाउस प्रांगण मे खानपुर प्रधान प्रतिनिधि जटाशंकर गुप्ता (गोरे लाल) ने पॉवर हाउस के सभी लाइन मैन और २२ङ्क को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया प्रबंधक पंकज तिवारी,प्रबंधक दुर्गा प्रसाद गुप्ता,साकेत तिवारी,अंशु तिवारी,शिवम् दुबे ,बबलू गुप्ता सभी लोगों ने संविदा विद्युत कर्मियो को गांवों में उत्कृष्ट कार्य करने और सप्लाई को सुचारू रूप से चलाने के लिए सम्मानित किया । विमल पाण्डेय, सतीश चंद्र गुप्ता को भी अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया इस दौरान लाईन मैन सैयाद अली,रविन्द्र,मुन्ना, शरीफुल,माधवेंद्र,दुर्गेश कुमार,अनिल कुमार,विजय बहादुर,प्रदीप,शिवाकांत, जय सिंह,पंकज कुमार,हीरा लाल,धर्मेंद्र,विजय शंकर आदि लोग उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश विकास एवं खुशहाली का नया पर्याय :दयाशंकर

प्रतापपुर। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा प्रतापपुर में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन रविवार को करुआडीह गेस्ट हाऊस में सम्पन्न हुआ।प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन के मुख्य अतिथि पूर्वांचल विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष दर्जा प्राप्त मंत्री दया शंकर मिश्र ने कहा कि उत्तर प्रदेश विकास और खुशहाली का नया मॉडल बन रहा है।एक्सप्रेस-वे,बेहतर कानून व्यवस्था,नई स्थापित होती औद्योगिक यूनिट,खुशहाल किसान, नौजवान, महिला और आमजन आत्मनिर्भर भारत के आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के पहचान बन रहे है।पिछले चार सालों में हुई तरक्की की यात्रा ने प्रदेश की सूरत बदल दी है आज उत्तर प्रदेश का हर क्षेत्र में डंका बज रहा है चाहे आद्योगिक निवेश हो या योजनाओं का सफल क्रियान्वयन,कानून व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण हो या गरीब किसान की ऋण माफी,हर घर मे शौचालय बनाना तथा घर विहीन लोगो को घर देने का कार्य उत्तर प्रदेश में किया गया।बुनयादी सुविधाओं के विकास से सूबे के विकास को नई रफ्तार मिली है।निवेश के।मामले में यूपी निवेशकों की पहली पसंद बन गया है।प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को नया आयाम प्रदान किया गया है।सम्मेलन को गंगापार जिलाध्यक्ष अश्वनी द्विवेदी, बिंदु सिंह, श्यामविहारी पांडेय, हरिभूषण सिंह, अमरेंद्र सिंह, मुकुन्द लाल मौर्य, सभाजीत मिश्रा ने संबोधित किया।सम्मेलन का संचालन आचार्य मनोज कुमार सिंह एवं अध्यक्षता देवी शंकर मिश्र ने किया।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी, राजा मौर्या, समरजीत मौर्य, शौम्या मिश्रा, संजय बनकटा, मनोज पाठक, धर्मेंद्र पटेल, रुद्र प्रताप सिंह, उदयवीर सिंह, मनीष पटेल, दीपिका सिंह, अच्छेलाल पटेल आदि लोग उपस्थित रहे।

पटहट रोड का निर्माण शुरू होने पर बांटी मिठाई

शंकरगढ। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के तत्वावधान में स्थापना दिवस के मौके पर शनिवार को पटहट रोड स्थित अति प्राचीन पीपल के वृक्ष के नीचे दीपोत्सव एवं महाआरती का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने यूपी से एमपी को जोड? वाली पटहट रोड के निर्माण कार्य शरू होने की खुशी में लड्डू एवं प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष मनोज सिंह, जिला गोरक्षा प्रमुख फंटू महाराज, व्यापार मंडल अध्यक्ष मूलचंद गुप्ता,सभासद प्रकाश चंद गुप्ता, सभासद ज्योति केसरवानी, नगर अध्यक्ष सुजीत कुमार केसरवानी, उपाध्यक्ष जय सिंह, प्रखंड संयोजक आदर्श कुमार दुबे, प्रखंड अध्यक्ष धर्मेंद्र, पूर्व सभासद अरुण सोनी, महेश केसरवानी, मोनू, बृजेश आर्मी, दिलीप सिंह, मनोज एवं अन्य राम भक्त उपस्थित रहे।

रस्तीपुर चौराहे पर उल्टा लटका बोर्ड दुर्घटना को दे रहा दावत

प्रतापपुर। जंघई बरुणा संपर्क मार्ग पर स्थित रस्तीपुर चौराहे पर लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों पर आवागमन हेतु सांकेतिक बोर्ड लगाया गया है।जो कि पिछले वर्ष से उलटा खंभे में लटका पड़ा हुआ है जो कि कभी भी नीचे गिर सकता है और दुर्घटना हो सकती है।इसके बावजूद लोक निर्माण विभाग द्वारा बोर्ड को हटवाया नहीं जा रहा है जिसके कारण लोगों में आक्रोश व्याप्त है कभी भी कौन दुर्घटना हो सकती है।

बेखौफ चोरों ने क्लीनिक को बनाया निशाना, नहीं मिली सफलता

अखंड भारत संदेश

क्लीनिक पर जांच पड़ताल करती पुलिस

मेजा रोड। कोतवाली क्षेत्र के मेजारोड बाजार में बेखौफ चोरों ने एक क्लीनिक पर सेंधमारी कर चोरी का असफल प्रयास किया है घटना को लेकर व्यापारियों में दहशत व पुलिस के एक्स प्रति आक्रोश बना हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यासागर मिश्रा उर्फ डॉक्टर बब्बू अपनी आजीविका चलाने के लिए मेजारोड बाजार में एक क्लीनिक खोल रखी है। बीती रात्रि अज्ञात चोरों ने पीछे के रास्ते क्लीनिक में सेधमारी कर चोरी का प्रयास किया, लेकिन उन्हें सफलता हाथ नहीं लगी। बता दें कि चोरों के निशाने पर कोई और दुकान थी लेकिन गलती से चोरों ने दूसरे दिन दुकान को निशाना बना दिया। फि लहाल सेंधमारी कर चोर दुकान में तो नहीं दाखिल हो पाए लेकिन एक बार पुनः व्यापारियों में दहशत जरूर पैदा कर दिया। गौरतलब हो कि क्लीनिक के बगल ही लगभग डेढ़ महीने पूर्व आयुष टेलीकॉम को चोरों ने निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के मोबाइल पर हाथ फेरा था जिसमें पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्यवाही करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया, लेकिन चोरी में शामिल मुख्य अभियुक्त अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। एक पखवाड़े पूर्व आरबी ज्वेलर्स की दुकान से चोरों ने हजारों रुपए के चांदी के आभूषण पार कर दिए थे क्षेत्र में आए दिन चोरी छिनैती की घटना को लेकर व्यापारियों में खासा आक्रोश बना हुआ है ।मेजारोड व्यापार मंडल अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय ने चोरी की घटनाओं पर कड़ी नाराजगी जतायी है। सूचना पर मेजारोड चौकी के उपनिरीक्षक सूर्य प्रकाश सिंह पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंच जांच में जुट गए। मामले की जानकारी पर व्यापार मंडल उपाध्यक्ष आकाश पर्शिया व्यापारियों के साथ मौके पर पहुंच खुलासे की मांग किया है।

मांगों को लेकर यूथ कांग्रेस का करछना में अनशन तीसरे दिन भी रहा जारी

अखंड भारत संदेस

क

करछना। यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव जितेंद्र तिवारी की अगुवाई में दर्जनों से अधिक कांग्रेसियों द्वारा करछना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने अपनी पांच सूत्रीय मांगों के पूरा न होने पर आज दूसरे दिन भी अनशन पर बैठे रहे ! जिसके अनुसार बीस दिन पूर्व उपजिलाधिकारी करछना विनोद कुमार पांडेय को ज्ञापन सौंप कर बाढ़ प्रभावित गांवों के किसानों को फसल की नुकसानी का मुआवजा दिलाने, बेघर हुए लोगों को आवास मुहैया कराने, न्याय पंचायत स्तर पर गौशाला बनवाने, अघोषित बिजली कटौती बंद हो व बिजली के जर्जर तार बदले जाए, अरैल में सड़क निर्माण व लाइट की व्यवस्था के साथ बेंदो पनासा मार्ग व थरी गांव रोड की मरम्मत कार्य की मांग की है! जिसके पूरा ना होने तक अनशनरत रहने की बात कहां है! जिस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रंगराज सिंह, विकास सोनी, दिनेश सोनी, अरुण कुशवाहा, बड़कऊ यादव , आयुष मिश्रा, बनटू यादव , शहजाद उल हक, सोनू सिंह, नागेश पाण्डेय आदि पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रदेश का नौजवान बनायेगा सपा सरकार : अशोक अंजान

प्रतापपुर। विधानसभा के ग्राम सभा सराय हरि राम मे मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिला उपाध्यक्ष अशोक अंजान के अगुवाई में लगातार 6 दिनों से हर बूथ पर यूथ के कार्यक्रम के अंर्तगत राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर सैफ फरीदी जिला अध्यक्ष के देख रेख में चल रहा है। विधानसभा के कई गावों में चौपाल लगाकर अब तक 500 फॉर्म भरकर 18 साल के नवयुवकों को जोड़ा गया। इस दौरान समाजवादी लोहिया वाहिनी के पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नसीरुद्दीन राइन ने कहा कि तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कार्यकर्ता एकजुट हो जाएं समय रहते 18 साल पूर्ण किए नौजवानों को वोटर लिस्ट में नाम बढ़ाने के लिए सभी कार्यकर्ता हर बूथ पूरे यूथ को वोटर लिस्ट से जोड़कर उनको अपनी सरकार बनाने का हथियार देंगे तभी नौजवान इस जुल्म जास्ती वाली सरकार से निजात पा सकेंगे। कार्यक्रम में जिलासचिव गण-हंसराज , बिंद, राकेश सरोज, मुकेश जे सी बी, हसीब अंसारी, इम्तियाज अंसारी, अजय प्रजापति, अनिल कनौजिया, जितेंद्र यादव, संदीप यादव,प्रदीप प्रधान,विकाश प्रधान,प्रकाश यादव(मीडिया प्रभारी),धर्मराज धर्मु, मोहम्मद हारून,अजय पाल, बजरंगीपाल, महेंद्र, राकेश नेता,आदि रहे।

जाति,धर्म के नाम पर बरगलाने वालों से सावधान रहने की जरूरत : सुरेन्द्र नारायण

कोरोना महामारी के बावजूद देश व प्रदेश का हुआ अभूतपूर्व विकास : डॉ रीता जोशी

अखंड भारत संदेश

मंच से बोलते भाजपा रोहनिया वाराणसी के विधायक सुरेन्द्र नारायण सिंह

शंकरगढ। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी, परिवारवाद वालों की पार्टी है। इस पार्टी में परिवारवाद ही चलता है। दोनों पार्टियों का एक ही मकसद है कि कैसे आम जनता का सुख-चैन छीना जाए और भाजपा से दूर किया जाए। भारतीय जनता पार्टी में परिवारवाद की कोई जगह नहीं है। यहां एक चायवाले को भी प्रधानमंत्री बना दिया जाता है। यह बातें भाजपा के रोहनिया वाराणसी के विधायक सुरेन्द्र नारायण सिंह ने कही।

यमुनापार के शंकरगढ़ में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सुरेन्द्र नारायण सिंह ने कहा कि यूपी और केंद्र की भाजपा सरकार ने आम जनता, किसानों, मजदूरों के क्या-क्या किया है, यह हर कोई जानता है। जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों को मिल रहा है। डिजिटाइजेशन होने से लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ सीधे उनके खाते में पहुंच रहा है। भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है। सूबे में अपराध में कमी आई है।कार्यकताओं में जोश भरते हुए उन्होंने कहा कि यदि आप राष्ट्रवादी हैं और मान-सम्मान के साथ जीना चाहते हैं तो यह गौरव सिर्फ और सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ही दे सकती है। सांसद डॉ रीता बहुगुणा जोशी ने भी प्रबुद्ध सम्मेलन में केंद्र व यूपी सरकार की खूबियां गिनाईं, कहा कि पिछले दो-ढाई साल से कोरोना महामारी के बावजूद केंद्र व यूपी सरकार ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास किया है। विकास के मामले में यूपी ने कई राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। इसकी सराहना देश-विदेश के संगठन कर रहे हैं। यूपी में सडकों का जाल बिछ रहा है। कल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाया जा रहा है। मुफ्त गैस सिलेंडर, राशन देने के साथ लाखों लोगों को रोजगार दिया गया। किसान सम्मान निधि, सामुदायिक शौचालय, महिला हेल्प डेस्क के जरिए भी लोगों की समस्या कम करने की कोशिश की गई।

उत्तर प्रदेश में स्वरोजगार और रोजगार के साधन मुहैया कराए गए। उत्तर प्रदेश में डेढ़ लाख करोड़ रुपये निवेश के जरिए आ रहा है। इससे आने वाले पांच वर्ष में प्रदेश का कायाकल्प हो जाएगी। संगठित अपराध न के बराबर है। शंकरगढ़ के एक गेस्ट हाउस में आयोजित भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलन में बारा विधायक डा. अजय कुमार ने भी सहभागिता की। जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती व संचालन, संयोजक जिला कोषाध्यक्ष अनूप केसरवानी ने किया।कार्यक्रम में चेयरमैन लल्लू कनौजिया, प्रमुख निर्मला देवी, सांसद प्रतिनिधि संत प्रसाद पांडेय, मीडिया प्रभारी अभिषेक शुक्ला, विजय बहादुर सिंह, जिला उपाध्यक्ष संतोष त्रिपाठी,जितेंद्र गुप्ता,अश्विनी सिंह, महेंद्र शुक्ल, चतुर्भुजदास गुप्ता, रामखेलावन गुप्ता, बाबा तिवारी,जय सिंह पटेल, व्यापार मंडल अध्यक्ष मूलचंद्र गुप्ता, रतन केसरवानी, जय केसरवानी, अरविंद केसरवानी,अनुज कुमार, राजेश केसरवानी, कुलदीप सिंह,कुलदीप पाठक, कुशल कुमार जैन, सतीश विश्वकर्मा, सोमनाथ वर्मा, मसुरियादीन वर्मा, अंजनीलाल, सुजीत केसरवानी, पंडित त्रियुगी कांत मिश्र, बबऊ सिंह,जंग बहादुर सिंह बाल गोविंद शुक्ला, रामानुज गुप्ता, नितेश केसरवानी आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के पश्चात सांसद डॉ रीता जोशी पूर्व प्रमुख भारत सिंह के आवास पर जाकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए परिजनों का ढांढस बंधाया।

नवनिर्वाचित प्रधान सम्मान समारोह संपन्न

अखंड भारत संदेश

डीजीएस ग्रुप द्वारा नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों को सम्मानित करते

मेजा रोड। क्षेत्र के मेजारोड स्थित डीजीएस ग्रुप (कुंवरपट्टी, सोना भवन) द्वारा शनिवार को मेजा तहसील क्षेत्र के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों का सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय प्रधान संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र त्रिपाठी व विशिष्ट अतिथि हरिराम पांडे लोक तटरक्षक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे। मंच संचालन अनिल शुक्ला ने किया। मंच पर विराजमान रहे इंजीनियर नित्यानंद उपाध्याय, उरुवा ब्लाक प्रधान संघ अध्यक्ष राजेश द्विवेदी, मांडा ब्लॉक संघ अध्यक्ष राजमणि द्विवेदी पप्पू काजी, श्याम राज यादव

मुख्य अतिथि सत्येंद्र त्रिपाठी ने कार्यक्रम में पहुंचे तीनों ब्लॉक के प्रधानों को धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रधान इस देश और दशा को बदलने का काम करता है। आगे कहा कि अपमान करना सब जानते हैं, लेकिन किसी का सम्मान करना कोई राजू शुक्ला से सीखे। जिस तरीके से राजू शुक्ला ने सर्व जातीय समाज को जोड़ने का काम किया है, वह वाकई में काबिल-ए-तारीफ है। आज के दौर में सांसद, विधायक बनना आसान है लेकिन प्रधान बनना मुश्किल है।विशिष्ट अतिथि हरिकांत पांडे ने कहा कि मनुष्य को जीवन में धैर्य रखना चाहिए हर इंसान को प्रयास करना चाहिए धैर्य नहीं खोना चाहिए जीवन में अगर किसी ने धैर्य छोड़ दिया तो जिंदगी की जंग हार जाएगा। वरिष्ठ भाजपा नेता जय शंकर पाण्डेय ने कहा राजू शुक्ला ने ऐसा कार्यक्रम किया है जो सर्व समाज को जोड़ने का काम है मेजा विधानसभा में ऐसा कार्यक्रम कभी नहीं हुआ। कार्यक्रम के पूर्व राजू शुक्ला ने मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथियों को अंगवस्त्रम तथा माता की प्रतिमा भेंट कर सम्मान किया। अपने संबोधन में राजू शुक्ला ने कहा कि प्रधान गांव की एक ऐसी कड़ी है जो दुखियारा उसी के पास पहुंच पाता है प्रधानमंत्री तक पहुंचने के लिए उसे लंबा सफर तय करना होगा और आपके गांव का प्रधान 5 मिनट में आपके पास उपलब्ध हो जाएगा अतः प्रधान की भी जिम्मेदारी होती है कि वह अपने ग्रामीणों की समस्या को सुने तथा उसका निराकरण करें। आगे कहा कि केन्द्र व प्रदेश की योजनाओं को प्रधान पूरी तन्मयता से ग्रामीणों तक पहुंचाएं जिससे कि उन्हें उपहास न झेलना पड़े।किसी भी समस्या आने पर मैं आपके साथ के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहूंगा। कार्यक्रम के अंत में तीनों ब्लाक के प्रधानों को अंगवस्त्रम व माता की प्रतिमा का प्रतीक चिन्ह तथा प्रसाद देकर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे आगंतुकों का राजू शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए आभार प्रकट किया। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी नित्यानंद उपाध्याय, मेजारोड व्यापार मंडल अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय, प्रधान सोरांव राजेश द्विवेदी, हेमंत द्विवेदी,ओपी मिश्रा, सूरज शुक्ला, शिवम द्विवेदी हेमंत द्विवेदी, दिनकर मिश्रा, मांडवी शरण द्विवेदी, पप्पू काजी, नीरज द्विवेदी, मुलायम यादव,दिनकर मिश्रा, संतोष तिवारी,गोरेलाल गुप्ता,अंशू तिवारी, विनोद मिश्रा, रमाशंकर निषाद,बिटानू शुक्ला कामेश्वर पटेल सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

विघ्न विनाशक की प्रतिमा की मंत्रोचार के साथ पूजा अर्चना की गई

प्रतापपुर। क्षेत्र के नेवादा गांव में गणेश पूजन महोत्सव मनाया जा रहा है विघ्न निवारक गणेश की प्रतिमा स्थापित करके पुष्पमाला फल अगरबत्ती धूप दीप आदि चढ़ाकर भक्तजनों ने वैदिक मंत्रोचार के साथ पूजा अर्चना कर जीवन में पुण्य प्राप्ति की संकल्प धारण किया तथा इस वैश्विक महामारी कोरोना से मुक्ति पाने की कामना भी किया।सेवालाल बिंद, दूधनाथ बृजेश कुमार,शरद चंद लल्लन,राजेंद्र कुमार, राकेश कुमार अनिल कुमार शिव शंकर प्रमोद कुमार लालजी रामकरण,धनपति देवी रामराज पटेल सुरेंद्र कुमार,हनुमंत लाल, बिंद सोहनलाल बिंद सहित सैकड़ों भक्त उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

पुरामुफ्ती में युवक की गोली मारकर हत्या, सनसनी

प्रयागराज। पूरामुफ्ती के मंदर बाजार के पास रविवार की देर शाम ड्राइवर के साथ घर लौट रहे एक ट्रैक्टर मालिक को बदमाशों ने गोली मार दिया। इलाज के लिए घायल युवक को प्रयागराज एसआरएन ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मचा है। बदमशों ने ट्रैक्टर मालिक को गोली क्यों मारी? इसका पता लगाने के लिए पुलिस छानबीन में जुट गई है। पिपरी कोतवाली के अकबरपुर मिजार्पुर निवासी मगन सिंह पटेल (35) अपने पिता का इकलौता पुत्र था। चार सार पहले उसके पिता हीरा लाल पटेल की भी हादसे में मौत हो चुकी है। पिता की मौत के बाद मगन सिंह पटेल खेत और घर की जिम्मेदारी सम्भालता था। इन दिनों मगन ने परिवार के भरण पोषण के लिए दो ट्रैक्टर खरीद रखा था। वह ट्रैक्टर से मकानों में पाइलिंग और पोल को गाड़ने का काम करता था।रविवार को वह पूरामुफ्ती बाजार स्थित एक निमार्णाधीन माकान में पाइलिंग कर देर शाम करीब पांच बजे मंदर के रास्ते घर लौट रहा था। साथ मे उसका ड्राइवर मंगल ट्रैक्टर चला रहा था और मगन ट्रैक्टर पर बैठे था। दोनों लोग जैसे ही मंदर बाजार स्थित रेलवे क्रासिंग के पास पहुंचे तभी झाड़ियों में पहले से ही घात लगाए बैठे दो बदमाशों ने मगन सिंह पर निशाना साध कर गोली चला दिया। इसमें एक गोली मगन के सीने में जा लगी। घटना से दहशत में आए ड्राइवर मंगल ने भाग कर जान बचाई। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने आनन फानन में मगन को इलाज के लिए प्रयागराज एसआरएन ले गए जहां देर शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मगन को किन हालातों में और किसने गोली मारी, इसको लेकर पुलिस ने छानबीन शुरू कर दिया है।

यमुना पुल से युवक ने लगाई छलांग, तलाश जारी

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के नए यमुना ब्रिज से रविवार को एक युवक यमुना नदी में छलांग लगा दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों को मौके पर बुलाया गया, घंटों प्रयास के बाद भी युवक का कोई सुराग नहीं मिला। औद्योगिक क्षेत्र स्थित रामपुर निवासी अर्जुन सिंह पुत्र स्वर्गीय सरदार सिंह रविवार दोपहर बाद लगभग 3:00 बजे घर से बिना बताए वह नैनी कोतवाली क्षेत्र स्थित नए यमुना पुल पर पहुंचा और वह कुछ देर सड़क पर इधर-उधर घूमने के बाद अचानक रेलिंग पर चढ़ गया। जब तक आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, वह यमुना नदी में छलांग लगा दिया। यह देख लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर नैनी इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं पुलिस की सूचना मिलने पर गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और पानी में उतर कर घंटों खोजबीन की, लेकिन युवक का कोई भी सुराग नहीं मिला। बताया जाता है कि युवक घरेलू किसी बात से नाराज होकर वह यमुना नदी में छलांग लगा दिया। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल करने में जुटी हुई है। इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने बताया कि यमुना नदी में छलांग लगाने वाले युवक के परिजनों को घटित घटना की सूचना दे दी गई है।

40 छात्र छात्राओं को वितरित किया गया प्रमाणपत्र

शंकरगढ़। शंकरगढ़ के मोदीनगर स्थित पंचबन्धु सीएससी एकेडमी सेन्टर में शनिवार को 40 छात्र छात्राओं को प्रमाणपत्र व ड्रेस वितरित कर सभी प्रशिक्षार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी गई।प्रधानमंत्री स्किल इंडिया के अंतर्गत कौशल विकास केन्द्र पंचबन्धु सीएससी एकेडमी में मुख्य अतिथि प्रदेश सहकोषाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा के मनोज पासी एवम मंडल प्रभारी शंकरगढ़ द्वारा सभी उत्तीर्ण 40 छात्र छात्राओं को प्रमाणपत्र व ड्रेस वितरित किया गया।केन्द्र संचालक रेनू सिंह ने बताया कि आरपीएल योजना के अन्तर्गत केंद्र सरकार की फील्ड सर्वे एन्यूमिरेटर स्कीम के तहत सभी उत्तीर्ण प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्रर व ड्रेस वितरित कर उज्जवल भविष्य की कामनाा की गई।रेनू सिंह के मुताबिक सफल विद्यार्थियों के बैंक खाते में सरकार पांच सौ रुपए की धनराशि प्रदान करेगी।इस मौके पर सीएससी जिला प्रबंधक चंदन तुलस्यान, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संतोष त्रिपाठी, जिला महामंत्री विजय शंकर शुक्ल, जिलामंत्री शिवराम सिंह परिहार, जिला कोषाध्यक्ष अनूप केसरवानी, मसूरियादिन वर्मा, कुलदीप सिंह पटेल, सोमनाथ वर्मा, उमा वर्मा अनुपम सिंह, रत्नाकर सिंह, अमित सिंह, मोनू, रवि सिंह, राहुल सिंह, किंगराज विश्वकर्मा सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल ने प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय में नवनिर्मित भवनों का किया लोकार्पण

- 35 आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों के लिए खिलौने एवं फल का वितरण किया
- पांच गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कर राज्यपाल ने उनसें किया संवाद

नवनिर्मित भवनों के लोकार्पण के दौरान सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करतीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल

अखंड भारत संदेश

नैनी। उत्तर प्रदेश की मा0 राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय पहुंचकर सर्वप्रथम नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण व प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) की प्रतिमा का अनावरण किया। साथ ही राज्यपाल ने विश्वविद्यालय कैम्पस में पौधारोपण भी किया। लोकार्पण के उपरांत राज्यपाल ने विश्वविद्यालय कैम्पस में बने परीक्षा भवन में आयोजित कार्यक्रम में 35 आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों के लिए फर्नीचर, खिलौने आदि से सम्बंधित किट का वितरण किया। साथ ही 05 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई करते हुए उनसें संवाद भी किया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा बहुएं व ग्राम प्रधानों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मा0 राज्यपाल महोदया ने विश्वविद्यालय के परीक्षा भवन में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया। राज्यपाल ने पांच गर्भवती महिलाएं अंतिमा साहू, रेनू, अंतिमा मिश्रा, रानी गिरि एवं सरिता को माथे पर टीका लगाकर व पौष्टिक आहार की टोकरी भेंट कर गोद भराई की रस्म पूरी की।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र में गरीबों के बच्चे आते हैं, यह हमारी जिम्मेदारी है कि उन्हें अच्छी से अच्छी सुविधा प्रदान करें, उन्हें पौष्टिक आहार के साथ-साथ उन्हें प्यार, दुलार भी मिलना चाहिए। यह आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य है। उन्होंने सम्पन्न लोगो, विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय से सम्बंधित कालेजों आदि से आह्वाहन करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद ले, जिससे वहां पर किसी भी मूलभूत सुविधा की कमी न होने पाये। आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए जो आज खिलौने आदि चीजे वितरित की गयी है, उससे बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास के साथ उन्हें आंगनबाड़ी केन्द्रों में खेल-कूद का माहौल मिलेगा, जिससे उनका आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मन लगेगा। उन्होंने कहा कि हमें अपना जन्मदिन कहीं बाहर जाकर या पार्टी करके मनाने के बजाय आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों के साथ मनाने का प्रयास करना चाहिए, जिससे आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों को खुशी मिलेगी इसके साथ ही आप लोगों को भी संतुष्टि का अनुभव होगा। राज्यपाल ने कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम प्रधानों से कहा कि आप लोग अपने-अपने गांवों के विकास के साथ-साथ अपने गांवों में कुपोषित व टीबी से पीड़ित बच्चों की पहचान कर उन्हें गोद लेकर उनका समुचित ध्यान रखे और गांव के सम्पन्न परिवारों को भी इस सेवा कार्य से जोड़ने का प्रयास करें। उन्होंने अधिकारियों व सम्पन्न लोगो से अपील की कि सभी लोग मिलकर टीबी से पीड़ित एक-एक बच्चों को गोद लेकर उनका ध्यान रखे और बीमारी से उनको मुक्ति दिलाने का प्रयास करें। टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए हम सब को मिलकर प्रयास करना होगा। प्रसव के दौरान किसी भी बच्चे की मृत्यु न हो, यह भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार का संकल्प है। आशा बहुएं यह प्रण करें कि किसी भी बच्चे की डिलीवरी घर पर न हो साथ ही गर्भवती महिलाओं को बच्चों के पोषण से सम्बंधित सारी जानकारी समय= पर दी जाती रहे व सरकार द्वारा दिये जा रहे अनुदान के बारे में उनको जानकारी दी जाये। गर्भावस्था के दौरान गर्भवती महिलाओं को खाने-पीने से लेकर अन्य आवश्यक बातों के बारे में आशा बहुओं द्वारा सम्पूर्ण जानकारी लगातार दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं को अपने मन में अच्छे विचार व अच्छी सोच रखनी चाहिए साथ ही उन्हें अच्छा पौष्टिक आहार लेना चाहिए। मा0 राज्यपाल ने आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आयी हुई बच्चों की माताओं से कहा कि आप आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों को रोज भेजे। माताओं को बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देनी चाहिए। इस अवसर पर प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय के कुलपित डॉ0 अखिलेश कुमार सिंह ने राज्यपाल का विश्वविद्यालय परिसर में स्वागत किया। वहीं जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री, मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरि सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

राज्यपाल ने किया मुविवि में त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र का लोकार्पण

मुविवि में त्रिवेणी सामुदायिक केन्द्र का फीता काटकर लोकार्पण करतीं राज्यपाल

नैनी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के यमुना परिसर में स्थित त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण रविवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किया। उक्त भवन का क्षेत्रफल 725. 56 वर्ग मीटर है। इसके निर्माण की कुल लागत रु 453.20 लाख आई। इस भवन का शिलान्यास लगभग 2 वर्ष पूर्व 29 नवम्बर 2019 को मा0 राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने ही किया था। इसका निर्माण ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, प्रखंड प्रयागराज द्वारा किया गया। श्रीमती पटेल के विश्वविद्यालय आगमन पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने परिसर में कल्पवृक्ष का रोपण किया। मा0 राज्यपाल श्रीमती पटेल ने सामुदायिक केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने राज्यपाल श्रीमती पटेल को बताया कि त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र पर सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियां संचालित की जाएगी। इसके साथ ही इस केन्द्र का उपयोग विश्वविद्यालय की परीक्षाओं एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन में किया जाएगा। लोकार्पण के उपरांत कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने निर्देश दिया कि गोद लिए हुए गांव में महिलाओं एवं बच्चों के कौशल विकास के लिए कैंप लगाकर प्रोत्साहित करें। बैठक में कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी डॉ पंकज एल जानी, कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेन्द्र प्रताप सिंह तथा निदेशक सीका प्रोफेसर ओम जी गुप्ता आदि उपस्थित थे। यमुना परिसर में ही विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय केंद्र संचालित किया जा रहा है। इसके साथ ही इसी परिसर में कर्मचारियों एवं शिक्षकों के लिए आवासीय कालोनी भी है।

क्रियायोग अतीत वर्तमान भविष्य से जुड़ने की क्रिया : स्वामी श्री योगी सत्यम

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। रविवार को क्रियायोग आश्रम के संस्थापक स्वामी श्री योगी सत्यम जी ने साधकों को क्रियायोग अतीत वर्तमान भविष्य से जुड़ने की क्रिया को समझाया और बताया कि वर्तमान स्वरूप अतीत का संपूर्ण वयस्क रूप तथा भविष्य का द्वार है ' स्वरूप में आदि, मध्य, अंत तथा अतीत,वर्तमान ,भविष्य ठीक उसी प्रकार समाहित है जिस प्रकार एक बीज में अनंत वृक्ष सूक्ष्म रूप में विद्यमान है ' अपना दृश्य रूप(पैर की उंगली से सिर तक अस्तित्व का दृश्य रूप) अतीत का संपूर्ण वयस्क रूप तथा भविष्य का प्रकाश है ' मानव का स्वरूप जो दृश्य रूप में प्रकट हुआ है अतीत का वयस्क स्वरूप है तथा इसी से भविष्य प्रकट होता है ' इस तरह मनुष्य का वर्तमान स्वरूप अतीत और भविष्य के साथ पूर्णतया संयुक्त है ' क्रियायोग साधना में साधक जब अपने स्वरूप में एकाग्रता का विस्तार करता है तो उसे अतीत वर्तमान भविष्य तीनों का ज्ञान प्राप्त होने लगता है ' और स्वरूप में एकाग्रता की पूर्णता में अतीत वर्तमान भविष्य पूर्णतया प्रकाशित हो जाता है अतीत वर्तमान भविष्य का पूर्ण ज्ञान प्राप्त करना ही सत्य की अनुभूति है, क्रियायोग सत्य की अनुभूति करने का विज्ञान है ' तथा स्वामी जी ने यह भी स्पष्ट किया कि सत्य की अनुभूति होने पर साधक साधन और साध्य तीनों एक है, का अनुभव हो जाता है ' और यह सिद्ध हो जाता है कि हमारे व परमात्मा के बीच दूरी सुनती है ' एक परम ब्रह्म अनंत रूपों में ठीक उसी प्रकार प्रकाशित है जिस प्रकार एक बीज जड़ तना पत्तियां पुष्प कांटा व फल के रूप में प्रकट होता है।

महिला की भूमि धरी जमीन पर बनें मकान को करछना थाने का चौकीदार जमाय कब्जा

करछना। तहसील प्रशासन की लचर न्याय व्यवस्था से आजिज एक पीडित महिला आत्म दाह करने को मजबूर हैं। अनगिनत शिकायतों के बावजूद महिला ने आजिज आकर एसएसपी प्रयागराज से अपनी पीडा बताते हुए न्याय की फरियाद की हैं ।करछना तहसील के बरांव (नौवां) गांव की रहने वाली महिला ललिता देवी पत्नी दुर्गा प्रसाद ने गांव स्थित बरांव में 2015 ,में आराजी संख्या 1075 , क्रय किया था ।जिसका राजस्व अभिलेखों में नाम अंकित है, उक्त पर महिला ने मकान बनवा कर अपनें बच्चो के साथ रहती रहीं हैं, उक्त जमीन और उस पर बनें मकान को गांव का एक दंबग किस्म का करछना थाने में तैनात चंद्रमा प्रसाद चौकीदार ने जबरन कब्जा कर लिया है। पीडित महिला ने वर्षों से दूसरे के मकान में किराए पर आधा दर्जन से अधिक परिवार के साथ रह रही हैं । महिला ने एसएसपी से शिकायत में बताया कि तहसील प्रशासन की जांच रिपोर्ट में उक्त चौकीदार को जबरन कब्जा करने की रिपोर्ट में दशार्या गया है।

प्रतापगढ़ के व्यापारी आकाश को नैनी में दी गई श्रद्धांजलि

प्रतापगढ़ के व्यापारी आकाश को नैनी में श्रद्धांजलि देतीं जायसवाल समाज की महिलाएं

अखंड भारत संदेश

नैनी। प्रतापगढ़ के युवा व्यापारी आकाश जायसवाल को नैनी के पीडीए कालोनी स्थित महात्मा गांधी पार्क में जायसवाल समाज के लोगों ने श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर समाज के युवा व्यापारी की हत्या पर आक्रोश जताया गया।

प्रतापगढ़, रखहा बाजार, थाना कधंई निवासी व्यापारी आकाश जायसवाल की कुछ दिन पहले अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसको लेकर प्रतापगढ़ समेत पूरे प्रदेश के जायसवाल समाज के लोगों में आक्रोश है। इसी क्रम में नैनी स्थित पीडीए कालोनी बी ब्लॉक के महात्मा गांधी पार्क में शनिवार शाम अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा की इकाई उत्तर प्रदेश की कार्यक्रम संयोजिका प्रीति रानी जायसवाल द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इसमें उत्तर प्रदेश प्रभारी मीना जायसवाल ने जिला प्रशासन से मुख्य अभियुक्त को शीघ्र गिरफ्तार करने एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मृतक के परिजन को सरकारी नौकरी एवं मृतक के माता-पिता को अनुकम्पा के आधार पर सहायता राशि देने की मांग की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष लालजी जायसवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष नीलम जायसवाल, प्रदेश संगठन मंत्री रानी जायसवाल, प्रदेश मीडिया प्रभारी राजीव जायसवाल, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष कन्हैयालाल जायसवाल, सीमा जायसवाल, अनीता अग्रवाल, दीपा जायसवाल, बबिता जायसवाल, रघुनंदन जायसवाल, भैयालाल, रामबाबू, राहुल एवं विरेन्द्र जायसवाल आदि ने दो मिनट का मौन रखा और मोमबत्ती जलाकर आकाश जायसवाल को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का संचालन प्रीति रानी जायसवाल ने किया।

तेलियरगंज में युवक ने एटीएम तोड़ा

प्रयागराज। तेलियरगंज में एक हफ्ते पहले आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम को युवक ने ईट से तोड़ने का प्रयास किया। गार्ड ने जब उसे रोकने की कोशिश की तो युवक ने उसे ईट लेकर दौड़ा लिया। पुलिस के पहुंचने पर भी युवक एटीएम तोड़ने पर आमादा था। किसी तरह उसे काबू में करके थाने लाया गया। अगले दिन युवक के घर वालों ने बताया कि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ है। उसका उपचार चल रहा है लेकिन मामला एटीएम का होने के कारण पुलिस ने युवक को जेल भेज दिया।तेलियरगंज में आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम बूथ में गार्ड की तैनाती है। पांच सितंबर की रात एक युवक ईट लेकर बूथ में घुसा और जब तक गार्ड कुछ समझ पाता उसने मशीन पर ईट से प्रहार कर दिया। इसके बाद गार्ड ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसने ईट लेकर गार्ड को भी मारने की कोशिश की। गार्ड किसी तरह वहां से बाहर भागा। इसके बाद युवक ने ईट से एटीएम पर कई प्रहार किए। तब तक भीड़ भी इकट्ठी हो गई। गार्ड ने पुलिस को सूचना दे दी थी। पुलिस पहुंची तो युवक ने सिपाहियों को ईट लेकर दौड़ाया। हालांकि उसे पकड़ लिया गया। उसने अपना नाम सूर्या निवासी पड़िला, फाफामऊ बताया। अगले दिन बैंक मैनेजर विराट द्विवेदी ने सूर्या के खिलाफ एटीएम में तोड़फोड़ कर चोरी के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज कराई। सूर्या के घर वाले उसकी रिपोर्ट लेकर थाने आए थे कि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ है। उसका उपचार चल रहा है। इंस्पेक्टर जयचंद्र शर्मा ने बताया कि सूर्या को छह सितंबर को जेल भेज दिया गया था।

विश्व भौतिक चिकित्सा दिवस पर राष्ट्रीय वेब सम्मेलन आयोजित

- शुआट्स फैकल्टी ने फिजियोथेरेपी के विभिन्न उभरते क्षेत्रों पर प्रकाश डाला

अखंड भारत संदेश

नैनी। शुआट्स फैकल्टी ने दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब सम्मेलन में फिजियोथेरेपी के विभिन्न उभरते क्षेत्रों पर प्रकाश डाला जिसका आयोजन दृष्टि विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय संस्थान द्वारा किया गया था। सम्मेलन का विषय टेली-थेरेपी सेवाएं प्रदान करना (विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण और समावेश के लिए आगे बढ़ना) था। डॉ संजय कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर और एचओडी, फिजियोथेरेपी विभाग, शुआट्स) इस सम्मेलन में मुख्य वक्ता थे। उन्होंने फिजियोथेरेपी के विभिन्न उभरते क्षेत्रों और विभिन्न चिकित्सा स्थितियों में फिजियोथेरेपी के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ शेखर (डीन) ने इस सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी संकायों और छात्रों को इस तरह के एक सूचनात्मक और मूल्यवान ज्ञान प्राप्त करने के लिए बधाई दी। विभाग की फैकल्टी डॉ. रजनीश, डॉ. सुरभि, डॉ. आशिता, डा आभा सहित 58 विद्यार्थियों ने भी प्रतिभाग किया। टेलीथेरेपी सेवा शब्द उन लोगों के जीवन को जोड़ने के लिए प्रासंगिक है जो काम के कारण अलग हैं या किसी अन्य डिफॉल्ट कारणों से अलग हो गए हैं। यह सबसे अभूतपूर्व तरीके से सेवाएं प्रदान करना और दूरस्थ मोड में पहुंच से बाहर तक पहुंचना है। जानकार, शिक्षित और सक्षम व्यक्ति जिस कार्य को असंभव समझते थे वह कार्य अब टेली-थेरेपी सेवाओं के साथ संभव है। टेली-उपसर्ग ने थेरेपी से टेली-थेरेपी, फिजियोथेरेपी से टेली-फिजियोथेरेपी जैसी गतिविधियों के लिए भी एक प्रत्युत्तर की भूमिका निभाई है। इस क्षेत्र में प्रसिद्ध व्यक्तित्व जैसे डॉ संजीव कुमार झा अध्यक्ष आईएपी, डॉ हिमांशु दास निदेशक एन आइ ईपी वीडी देहरादून, डॉ कृष्णा वाई अध्यक्ष आईएसएचए, एमएएचई, मणिपाल आदि ने भी फिजियोथेरेपी की तकनीकीयों को समझाया।

बाबू सिंह कुशवाहा के समर्थन में महिलाएं आगे : सुनीता

जन अधिकार पार्टी के कार्यकताओं ने गांव चलो अभियान को आगे बढ़ाया

अखंड भारत संदेश

कोरांव। कोरांव विधानसभा में भागीदारी संकल्प मोर्चा के तत्वाधान में जन अधिकार पार्टी के कार्यकताओं ने गांव चलो अभियान के तहत कार्यक्रम बड़ोखर व सैम्भा ग्राम सभा में आयोजित किए।

अभियान में महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिये। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश संगठन मंत्री सुनीता कुशवाहा ने कहा कि वर्तमान सरकार में महिलाओं के साथ बहुत ज्यादा अन्याय, अपमान ,बलात्कार जैसी घटनाएं हो रही है। जिस पर सरकार चुप है।हम महिलाएं आगे के चुनाव में इस सरकार से बदला लेंगे। जानकारी के अनुसार कोरांव विधानसभा के बड़ोखर व संभा ग्राम सभा में कोराओं प्रभारी अनुज कुमार के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किए गए ।जिसमें मौजूद महिलाओं व पुरुषों को जन अधिकार पार्टी का मुख्य विचारधारा ₹जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी और ₹गरीब हो या धनवान सबको शिक्षा एक समान₹ को विस्तार से बताया गया ।साथ में जिलाध्यक्ष लीलावती, जिला उपाध्यक्ष श्वेता भारती, विधानसभा कोराव संगठन मंत्री सीमा कुशवाहा ने भी महिलाओं को जागरूक करने के क्रम में बातें बताई । आगे कार्यक्रम में बताया गया कि वर्तमान समय में सभी डीजल, पेट्रोल, सरसों का तेल के मूल्य आसमान छू रही है। वही खेती किसानी से जुड़े लोगों का जानवरों के कारण जीना दुश्वार है ।किसान अपने खेतों में कटीले तार से लगाने को मजबूर है। फिर भी पूरी रात जागकर खेतों का रक्षा करना पड़ता है ।इस तरह की हालात और पहले की सरकार में नहीं थी। सड़कों पर पशु भी आवारा घूम रहे हैं। जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। कार्यक्रम में छठू सिंह शाक्य, महेश कुशवाहा, तोलन आदिवासी, शोभा धोबी गजराज आदिवासी, परसुराम कुशवाहा, लवकुश कुशवाहा, धर्मेंद्र कुशवाहा,अशोक कुमार मौर्य, राजकुमार, कन्हैयालाल, सुशील सिंह,अनिल सिंह, सोनू सिंह, चिंता देवी पूनम देवी, मीरा देवी, राधा देवी, इंद्रावती देवी सहित सैकड़ों महिलाएं व पुरुष मौजूद रहे।

अटाला में दो बदमाशों के बीच जमकर चले लाठी-डंडे, एक का पैर टूटा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के अटाला इलाके में दो बदमाशों के बीच जमकर लाठी डंडे चले। मोहत्सिमगंज के रहने वाले शारिक सिद्दीकी का पैर टूट गया। शारिक ने ही अटाला के टीपू को फोन कर कहा कि वह उसे ठीक करने अटाला आ रहा है। लेकिन अटाला का रहने वाला टीपू अपने मोहल्ले में भारी पड़ गया। शारिक के साथ गए लड़के भाग निकले। उसकी जमकर पिटाई की गई। शारिक ने टीपू समेत चार के खिलाफ मारपीट, फायरिंग और रंगदारी मांगने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक दोनों हत्या के प्रयास के एक ही मामले में साथ साथ जेल भी जा चुके हैं।अटाला का रहने वाला टीपू अटाला और मोहत्सिमगंज का शारिक सिद्दीकी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं। दोनों कभी दोस्त हुआ करते थे। शाहगंज में हत्या के प्रयास के एक मामले में दोनों साथ में जेल भी गए थे। हालांकि बाद में दोनों में वर्चस्व को लेकर खटपट हो गई। शनिवार को शारिक ने टीपू को फोन किया था। फोन पर ही दोनों में गाली गलौज होने लगी। इसके बाद शारिक ने कहा कि वह अटाला आ रहा है। टीपू ने भी उसे देख लेने की धमकी दी।शाम को शारिक अपने साथियों के साथ अटाला पहुंच गया। वहां टीपू पहले से तैयार बैठा था। दोनों पक्षों में जमकर झगड़ा होने लगा। हालांकि स्थानीय होने के कारण टीपू भारी पड़ गया। शारिक के साथ के लड़के भाग निकले। इसके बाद लाठी डंडे से पीटकर शारिक का पैर तोड़ दिया गया। घटना के बाद टीपू किसी तरह थाने पहुंचा। उसने तहरीर दी कि टीपू ने उससे रंगदारी मांगी। न देने पर फायरिंग की और फिर लाठी से पैर तोड़ दिया। इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। दोनों ही अपराधी हैं, एक ही गिरोह से ताल्लुक रखते हैं।

व्यापारी को पिस्टल तान कर दी धमकी

कोरांव। कोराव के बरोखरा गांव के धान गल्ला व्यवसाई भूपेश जायसवाल को धान चावल कारोबारी सेठों ने बिक्री की गई धान की रकम मांगने पर अब पिस्टल दिखाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि भूपेश जायसवाल ने परंपरा एग्रो परपज कोआप्रेटिव सोसायटी लिमिटेड एवम कल्याणी इंडस्ट्रीज में धन खरीद खरीद कर पिछले वर्ष से कमीशन पर आपूर्ति किए थे। किन्तु उक्त फर्म के सेठों ने साल भर से बार बार प्रयागराज बुला बुला कर भुगतान हेतु बुलवाते रहे। किन्तु पैसा नहीं दिए। श्री जायसवाल की बातों पर यकीन करें तो उन्होंने जिन किसानों का धान उधार खरीद खरीद कर शहर उन फर्मों को आपूर्ति किया था,बार बार दोराने पे भी जब जल्दी रकम नहीं दिए तो जायसवाल ने अपने बीबी और घर के परिजनों का जेवरात बेंच कर वी कुछ गिरवी रख कर किसानों को दिया था। किन्तु उक्त फर्म वालों ने आरकेएम नहीं दी। आरोप है कि काफी दिन से उक्त धन्ना सेठों के यहां ठहर कर पेमेंट के लिए डेरा डाले रहे। किन्तु 10 सितम्बर को रात करीब सवा नौ बजे रात्रि मुझे तीन लोगों ने पिस्टल सटा कर धमकी दिया कि यहां से चले जाओ वर्ना गोली मार देगें।

मोदी व योगी की योजनाओं को जनता तक ले जाएंग कार्यकर्ता : हरिओम

जिले के 527 केन्द्रों पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के वेबिनार को सुना गया

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रविवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने वेबिनार को संबोधित किया जिसे सभी भाजपा कार्यकर्ता ने सुना। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष अध्यक्ष हरिओम मिश्र के नेतृत्व में जिले के सभी 527 शक्ति केंद्रों पर सभी कार्यकर्ताओं ने पूरे मनोयोग से इस कार्यक्रम में सहभागिता की। स्वयं जिलाध्यक्ष ने बाबागंज के भवनपुर शक्ति केंद्र पर सुना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता के सहयोग से केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश में योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश का कायाकल्प किया। 2017 में जो हमने वादे किए उसको एक अभियान के रूप में लेकर शनै शनै सभी को पूर्ण करने का कार्य किया। हमारा माना है कि विचारधारा से ही परिवर्तन संभव है। भारतीय जनता पार्टी ने मोदी के आह्वान पर सेवा ही संगठन पार्ट-1 एवं पार्ट-2 सफलतापूर्वक संचालित किया। करुणा की संभावित तीसरी लहर के लिए सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ लड़ाई को लड़ने के लिए तैयार हैं। सभी विपक्षी नेता करुणा काल में क्वॉरेंटाइन हो गए थे। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता ही है जो अपनी जीवन की परवाह किए बगैर मोदी के आह्वान पर अपने गांव घर गरीब जनता की सेवा का बीड़ा उठाया। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने सभी शक्ति केंद्र पर उपस्थित कार्यकर्ताओं से शत-प्रतिशत पालन करने के लिए आह्वान किया। उधर नगर प्रभारी सुरेंद्र सिंह, जिला मीडिया प्रभारी राघवेंद्र शुक्ला पूरे केशवराय शक्ति केंद्र पर उपस्थित रहे।

भेदभाव से मुक्ति पर ही भारत बनेगा विश्व गुरुः मुकेश

विहिप के स्थापना दिवस पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

प्रतापगढ़। विश्व हिन्दू परिषद के स्थापना दिवस के 57 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तुलसी सदन हादीहाल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूज्य संत मनोज ब्रहमचारी, धर्मदीप भन्ते बौद्ध धर्म अनुयायी, ज्ञानी विपिन सिंह सिख धर्म अनुयायी, मंगलाचरण शनिदेव धाम के आशीर्वचनों से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य वक्ता के रुप में प्रांत संगठन मंत्री काशी प्रान्त मुकेश ने स्थापना दिवस के बारे में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिस दिन भेदभाव मुक्त हिन्दू समाज खड़ा होगा, उस दिन भारत को विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता। इस अवसर पर मोहन लाल प्रान्त कार्य समिति सदस्य विभाग पालक अधिकारी, रजनीश तिवारी विभाग मंत्री, नवीन बजरंगी विभाग संयोजक, रविकान्त विभाग उपाध्यक्ष, डा0 विनय विभाग सहमंत्री,विमल, आलोक, संदीप, सुधांशु मिश्र आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सामाजिक संगठन का कार्यकर्ता ही उसकी रीढ़ः धीरज ओझा

विजय अभियान के तहत शक्ति केन्द्र नजियापुर में हुआ कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व द्वारा संगठनात्मक दृष्टि से बूथों को मजबूत करने की नीयत से बूथ विजय अभियान के तहत शक्तिकेंद्र शिवगढ़ के बूथ संख्या 129 नजियापुर बूथ पर रविवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभाग कर विधायक रानीगंज धीरज ओझा ने कार्यकर्ताओं संग राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा से विजय का मूलमंत्र एवं ऑनलाइन मार्गदर्शन प्राप्त किया। तत्पश्चात उन्होंने शक्तिकेन्द्र शिवगढ़ के अंतर्गत आने वाले सभी बूथ अध्यक्षों का माल्यार्पण कर उनका अभिनदंन करते हुए कहा कि किसी भी राजनैतिक दल अथवा सामाजिक संगठन का कार्यकर्ता ही उसकी रीढ़ होता है। भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता सदैव शीर्ष नेतृत्व के दिशा निर्देशों के अनुपालन में तत्पर रहते हुए जनकल्याण में समर्पित है। सामाजिक एवं आर्थिक रूप से अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिये केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों से उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है जिससे मुद्दा विहीन विपक्षी दलों में बौखलाहट स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही है।

पुलिस अधीक्षक ने भ्रमण कर सघन चेकिंग अभियान का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल द्वारा जिले में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने व अपराध व अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु समस्त थाना क्षेत्रों में अभियान चलाकर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इसी क्रम में रविवार को पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न स्थानों पर जनपद पुलिस द्वारा की जा रही चेकिंग का औचक निरीक्षण किया गया एवं ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। साथ ही साथ पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वयं भी पुलिस बल के साथ शहर के भीड़-भाड़ वाले क्षेत्र, चौराहों-तिराहों, मार्केटों व सर्राफा बाजार आदि स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने स्थानीय लोगों व दुकानदारों से बातचीत कर कुशलता पूछी और उन्हें सुरक्षा

पुलिस अधीक्षक ने किया पैदल मार्च, दुकानदारों से पूछा हाल

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने रविवार को दोपहर अचानक उडैयाडीह बाजार पहुंचे। वहां उन्होंने वाहनों की चेकिंग के साथ ही दुकानदारों से हाल चाल पूछा और कहा कि पुलिस वाले आते हैं कि नहीं तथा आप लोगों को कोई दिक्कत तो नहीं है। एसपी ने उडैयाडीह तिराहे से लेकर बाजार तक भ्रमण किया।इस दौरान उनके साथ भारी पुलिस फोर्स मौजूद रहे।

दिलाने का भरोसा दिलाया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कर्मियों को निरंतर भ्रमणशील रहकर गश्त करने हेतु निर्देश दिये।

पिपरी खालसा में संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

पिता ने लगाया जहर देकर मारने का आरोप

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पारिवारिक कलह के बीच संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे मृतका के परिजनों ने मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या का आरोप लगाया। मृतका के पिता की ओर से दी गयी तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कंधई थाना क्षेत्र के पिपरी खालसा में केशव मिश्र की पत्नी बिटोला देवी (30) की शनिवार की रात अचानक मौत हो गई ।मृतका के ससुराल पक्ष के लोगों ने बताया कि शनिवार को देर शाम अचानक उसकी तबियत खराब हो गई थी जिसे इलाज के लिये अस्पताल ले जाया गया तो वहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया गया। मौत की सूचना पाते ही मृतका के मायके से माता, पिता, भाई विवाहिता के घर पहुंचे। इस दौरान मायके पक्ष के लोगों ने उसकी मौत को संदिग्ध बताते हुए ससुराल पक्ष के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया। सुबह मायके पक्ष के लोगों की नामौजूदगी में ससुराल पक्ष ने मृतका का अंतिम संस्कार करने के लिए प्रयागराज ले जा रहे थे तभी मायके पक्ष के लोगों ने पुलिस को सूचना दी जिस पर पुलिस ने शव को रास्ते में रुकवा दिया । तथा पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मायके वालों ने जहर देकर मारने का आरोप लगाया है।

पुलिस ने दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। कन्हई थाना क्षेत्र के धरमपुर गांव में शनिवार शाम सोनू बर्मा की पत्नी ममता (25) शनिवार शाम अचानक तबीयत खराब हो गई। परिजन उसे सीएचसी पट्टी ले गए, जहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया लेकिन अस्पताल पहुंचते ही महिला ने दम तोड़ दिया। मृतक महिला के 2 बच्चे हैं।

मृतका का पति सोनू दिल्ली में एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है। मृतक ममता के माता-पिता की मौत पहले ही हो चुकी है। उसकी शादी उसके फूफा ने की थी। घटना की सूचना पर पहुंची कंधई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतका के फूफा राम मूरत का आरोप है कि मेरी बेटी को दहेज खातिर इन लोगों ने मार डाला। इस संबंध में एसओ कंधई नीरज वालिया ने बताया कि मृतका की बुआ श्यामा देवी की तहरीर पर चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कन्धई एसओ नीरज वालिया ने बताया कि मृतका के पिता जगत नारायण मिश्र की ओर से दी गई तहरीर पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजने के साथ सास-ससुर तथा पति के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। बता दें कि प्रयागराज जनपद के बहरिया थाना क्षेत्र के चैमलपुर निवासी जगत नारायण मिश्र की बेटी बिटोला देवी की शादी करीब नौ वर्ष पूर्व कंधई थाना क्षेत्र के पिपरी खालसा निवासी रामसमुझ मित्र के बेटे केशव मिश्र के साथ हुई थी। मृतका का पति ऑटो रिक्शा चलाकर परिवार का पालन पोषण करता था। मृतका की एक बेटी निरुपमा (7) है जो कक्षा चार में प्राथमिक विद्यालय में पढ़ती है।

सात देसी बम के साथ वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

गाजी बाग तिराहा से हुई गिरफ्तारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले के थाना रानीगंज से उ0नि0 हरेन्द्र कुमार यादव व उ0नि0 लाल बहादुर पाल मय हमराह द्वारा थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 355/2021 धारा 147, 148, 149, 120बी, 323, 307 भादंवि, से संबंधित वांछित अभियुक्त शिवम मिश्रा पुत्र हरिओम मिश्रा निवासी भगेसरा थाना कोतवाली नगर को थाना क्षेत्र के गाजी बाग तिराहा से देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान स्कूटी से जाते समय गिरफ्तार किया गया।

इस दौरान अभियुक्त उपरोक्त की तलाशी में उसकी स्कूटी की डिग्गी से सात देसी बम बरामद किया गया। इस बरामदगी के संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 489/2021 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया।बता दें कि 14 जुलाई 2021 को थाना क्षेत्र रानीगंज के दादूपुर पेट्रोल पम्प पर अभियुक्त शिवम मिश्रा उपरोक्त व अन्य 13 लोगो के द्वारा एक राय होकर वादी के ऊपर गोली व बम से हमला किया गया था जिसमें वादी व दो अन्य लोग घायल हो गये थे। इस संबंध में वादी की तहरीर पर थाना रानीगंज पर मु0अ0सं0 355/2021 धारा 147, 148, 149, 120बी, 323, 307 भादंवि का अभियोग पंजीकृत किया गया था। उक्त मुकदमें से संबंधित दो अभियुक्त पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके हैं एवं शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी का प्रयास जारी है।

बदमाशों ने चाकू व तमंचा के बल पर 20 हजार लूटा

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। हथिगवां थाना क्षेत्र में सिर चढ़कर अपराध बोल रहा है। आये दिन चोरी छिनैती लूट से ग्रामीण लोग दहशत में है। अब तक जो भी छोटे बड़ी घटनाएं हुई है किसी का खुलासा तो दूर बदमाश पुलिस की गिरफ्त से बाहर से है तभी तो आये दिन लूट पाट की घटनाएं घट रही है। चोर मस्त हो रहे हैं पुलिस सुस्त पड़ रही है जिसका नजारा हथिगवां थाना क्षेत्र में दिखाई दे रहा है।अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष शीतला प्रसाद केसरवानी हथिगवां निवासी के पुत्र संजय केसरवानी लालगोपालगंज (प्रयागराज) में सहारा इंडिया बैंक के मैनेजर हैं। लालगोपाल से बैंक बन्द कर घर को लौट रहे संजय को बदमाशो ने थाना क्षेत्र के महाराजपुर गाव के पास दो बाइक पर सवार चार बदमाशो ने चाकू व तमंचा के बल पर 20 हजार रुपये लूटकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में हड़कम्प मच गया सभी घटना स्थल की ओर दौड़ पड़े। पीड़ित संजय केसरवानी ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी।

देश का युवा समाज के उन्नयन की रीढ़ : बब्बू राजा

युवा चेतना मंच का 24वां वार्षिक सम्मेलन सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। युवा चेतना मंच उत्तर प्रदेश के वार्षिक सम्मेलन में ललित पांडे अध्यक्ष तथा देवमणि तिवारी पुनः महामंत्री चुने गए। युवा चेतना मंच उत्तर प्रदेश का 24वॉ वार्षिक सम्मेलन रविवार को शहर स्थित अफीम कोठी सभागार में संपन्न हुआ जिसमें ललित पांडे अध्यक्ष तथा डॉ देव मणि तिवारी को सर्वसम्मति से महामंत्री चुना गया।

सम्मेलन की अध्यक्षता एमडी पीजी कॉलेज के वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष तथा युवा चेतना मंच के संयोजक डॉ छवि नारायण पांडे ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व एमएलसी आनंद भूषण सिंह बब्बू राजा रहे जबकि विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के सह संयोजक ओम प्रकाश त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आनंद भूषण सिंह ने कहा कि युवा किसी भी समाज के उन्नयन की रीढ हैं बिना नौजवानों की सहभागिता के किसी भी समाज का चतुर्दिक विकास संभव नहीं है। विशिष्ट अतिथि भाजपा ओम प्रकाश त्रिपाठी ने कहा युवा परिवर्तन के पर्याय हैं। युवाओं की सहभागिता के बिना समाज का अपेक्षित विकास संभव नहीं है। कार्यक्रम में संगठन की वार्षिक गतिविधियों पर चर्चा के साथ संगठन की स्थापना से लेकर अब तक हुए क्रियाकलापों पर विचार विमर्श हुआ। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार शैलेंद्र मिश्र, रमेश त्रिपाठी एवं बीडी दुबे इंटर कॉलेज पहाड़पुर के प्रधानाचार्य अखिलेश चंद्र पांडे सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपना अप्रतिम योगदान देने वाली 10 विभूतियों को सम्मानित भी किया गया। अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष ललित पांडे ने तथा संचालन विनोद मिश्र ने किया। कार्यक्रम में सुरेंद्र प्रसाद पांडे, भानु प्रताप पांडे, डॉ देवमणि तिवारी, संजय श्रीवास्तव, अनिल पांडे केशरी शुक्ला, राजेश सिंह, आयुष त्रिपाठी, तीर्थराज मिश्र, संतोष तिवारी आदि ने विचार व्यक्त किया।

लालगंज पुलिस ने पति-पत्नी के बीच विवाद को सुलझाया

प्रतापगढ़। लालगंज पुलिस ने पति-पत्नी में चल रहे आपसी विवाद को सुलझा दिया। बता दें कि पति से नाराज होकर पत्नी घर से कहीं चली गई थी। पुलिस ने काफी खोजबीन के बाद महिला को बरामद किया। इस दौरान पति-पत्नी के बीच आपसी विवाद को होता देख लालगंज पुलिस ने दोनों को समझा-बुझाकर आपसी विवाद को सुलझा दिया जिससे दोनों लोग एक साथ रहने को राजी हो गये। लालगंज पुलिस के इस मानवीय चेहरे की लोग सराहना कर रहे हैं।

सड़क हादसे में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के परियावां सेख का पुरवा निवासी नन्दलाल गौतम (40) वर्षीय दो माह पूर्व मानिकपुर थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल हो गया था जिसके पैर में गम्भीर घाव हो गया था जिसका दो माह से घर पर उपचार चल रहा था। पैर में गहरा घाव होने के कारण पैसे की तंगी के चलते महंगा इलाज नही करा पा रहा था, जिसकी शनिवार की देर शाम लगभग आठ बजे मौत हो गई। परिजनों में कोहराम मच गया। पेशे से जूता चप्पल की सिलाई का काम परियावां रेलवे फाटक के पास फुटपाथ पर बैढ़कर करता था उसी से परिवार का खर्च चलाता था।

नशीला पदार्थ खाने से साइकिल सवार की मौत

अखंड भारत संदेश

परियांव, प्रतापगढ़। मानिकपुर थाना क्षेत्र के गौतम नगर जाखामई निवासी पप्पू सरोज पुत्र जमुना प्रसाद सरोज रविवार की दोपहर साइकिल से नहर बाजार की तरफ से नशे की हालत में कलन्दर का पुरवा जाखामई पहुँचा कि अचानक गिर पड़ा जो दुबारा नहीं उठ सका, जो सड़क किनारे पड़ा रहा। जिसकी हालत बिगड़ती देख ग्रामीणों ने 108 पीआरबी को फोन किया। मौके पर पहुची पुलिस पप्पू को सीएचसी कुंडा ले गई जिसे चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मौत का कारण चिकित्सकों ने नशीला पदार्थ बताया। पुलिस ने शव की लिखा पढ़ी करके पीएम को भेजा। पीएम रिपोर्ट के आने पर मौत के कारण का सही पता चलेगा।

उद्यान विभाग बढ़ायेगा स्वरोजगार के अवसरः जिला उद्यान अधिकारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह राणा ने बताया है कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के अन्तर्गत निजी सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों का उच्चीकरण/स्थापना कराकर सरकार लोगों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करायेगी।

वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल 134 यूनिट का लक्ष्य लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसमें सामान्य वर्ग के उच्चीकरण की 83 यूनिट व नई इकाई का स्थापना कर 35 यूनिट एवं अनुसूचित जाति के लिये उच्चीकरण की 11 यूनिट व नई इकाई को 5 यूनिट का लक्ष्य उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उ0प्र0 लखनऊ से प्राप्त है। उन्होने बताया है कि इच्छुक कृषक/उद्यमी नई यूनिट ओडीओपी के चयनित फसल आंवला की फूड प्रोसेसिंग की स्थापना एवं खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित इकाईयां जो पहले से संचालित है जैसे बेकरी उद्योग, अचार मुरब्बे की फैक्ट्री, अनाज दाल व तेल से आधारित उद्योग, मिठाई उद्योग आदि के उच्चीकरण हु लागत का 35 प्रतिशत एवं अधिकतम 10 लाख प्रति उद्यम के अनुदान की सुविधा है।

युवाओं में फिटनेस को बढ़ाता है खेलः अनिल

नेहरू युवा केंद्र के तत्वावधान में दौड़ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

रानीगंज, प्रतापगढ़। नेहरू युवा केंद्र के तत्वावधान में जिला युवा अधिकारी आर0 जी0 चौहान के निर्देशन में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत रविवार को गौरा ब्लॉक के देवगढ़ कमासिन ग्राम पंचायत के बधवा ग्राउंड में फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 का आयोजन किया गया।इसमें युवाओं के बीच दो किलोमीटर की दौड़ प्रतियोगिता कराकर राष्ट्रगान के साथ स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम गौरा ब्लॉक एन वाई वी, शुभम मिश्रा, रंजीत यादव के नेतृत्व में किया गया, जिसमें सचिन पटेल प्रथम, वीरेंद्र प्रजापति द्वितीय, दीपू पाल तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अनिल पाण्डेय जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय परशुराम सेना ने कहा कि युवाओं में फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए फिट इंडिया अभियान चलाया जा रहा है। इसमें दौड़, योग, व्यायाम, खेल आदि गतिविधियां शामिल हैं। यह अभियान आलस्य, तनाव, शारीरिक व्यादियों सहित मनोविकारों के निदान में सह ायक है। विशिष्ठ अतिथि जय सिंह यादव जिला पंचायत सदस्य गौरा ग्राम प्रधान कृष्ण प्रताप सिंह पी एल वी दिनेश मिश्रा ने विजेता प्रतिभागियों को गोल्ड सिल्वर ब्रास मेडल प्रदान कर शुभकामनाएं प्रदान की।

शादी का झांसा देकर युवती से किया बलात्कार

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के सैदासीपुर गाँव निवासी आरती देबी पुत्री रामचन्द्र (23) वर्षीय (काल्पनिक नाम) ने पुलिस को दिए गए तहरीर में शिकायत किया है कि थाना क्षेत्र के संग्रामपुर निवासी राहुल पुत्र जवाहरलाल ने 10 सितम्बर को शादी का झांसा देकर मेरे साथ गलत काम किया। मेरे विरोध करने पर जाति सूचक शब्द के साथ गाली गलौज दिया। पुलिस ने युवती की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ 376 का मुकदमा दर्ज कर विवेचना की कार्रवाई शुरू किया। पुलिस की कार्रवाई से आरोपियों के परिजनों में हड़कम्प मचा हुआ है।

भारतीय रीति रिवाज व संस्कार अपनाकर संक्रामक रोगों पर पाये नियंत्रण

आईएमए कालेज ऑफ जनरल प्रैक्टिसनर्स के वेबिनार में बोले डॉ. सूर्य कान्त

अखंड भारत संदेश

भदोही। इन्डियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) कालेज ऑफ जनरल प्रैक्टिसनर्स कानपुर सब फैकल्टी के तत्वावधान में वेबिनार आयोजित किया गया। वेबिनार में केजीएमयू के रेस्परेटरी मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. सूर्य कान्त ने कहा कि भारतीय रीति रिवाजों व संस्कारों को अपनाकर हम बड़ी आसानी से कोविड ही नहीं बल्कि अन्य संक्रामक रोगों पर भी नियंत्रण प्राप्त कर सकते हैं ।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अमित कुमार दुबे ने बताया कि कोविड की दूसरी व तीसरी लहर से मिली सीख भी इसको सही साबित करती है। इसलिए हमें कोविड की संभावित तीसरी लहर के साथ ही अन्य संक्रामक बीमरियों पर नियंत्रण पाना है तो भारतीय रीतिरिवाजों व संस्कारों को अपने जीवन में उतारना होगा। ज्ञात हो कि डॉ. सूर्य कान्त को अभी हाल ही में आईएमए-सीजीपी का राष्ट्रीय मानद प्रोफेसर चुना गया है। डॉ. अमित कुमार दुबे ने कहा कि भारतीय परम्परा हाथ मिलाने की नहीं रही है, हम आपस में मिलने पर एक दूसरे के सम्मान में उचित दूरी से हाथ जोड़कर नमस्ते या प्रणाम करें, संक्रमण के लिहाज से भी इसी में दोनों की भलाई है। कुछ भी खाने-पीने से पहले साबुन-पानी से हाथों को धुलना या किसी अन्य तरह से सेनेटाइज करने की आदत सभी को अपनानी चाहिए। घर लौटने पर जूते-चप्पल बाहर उतारने की सीख हमें भारतीय संस्कारों में देखने को मिलती है, जो आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है। क्योंकि इससे संक्रमण घर के अंदर जूते-चप्पल के माध्यम से नहीं पहुंच सकेगा।

उनका कहना है कि खासकर रसोई घर या भोजन ग्रहण करने वाले स्थान डायनिंग टेबल के आस-पास तो इसका पालन जरूर करें। योग व प्राणायाम से शरीर को स्फूर्त बनाएं न कि जिम जाकर। भाप घर पर ही लेकर संक्रमण को दूर भगा सकते हैं। उसके लिए स्पा जाने की कोई जरूरत नहीं है। हमारे रीतिरिवाज और संस्कार हमें घर का बना शुद्ध ताजा संतुलित भोजन करने की सलाह देते हैं, जिसमें हरी साग-सब्जी, मौसमी फल और दूध-दही आदि शामिल हों।

फास्ट फूड से केवल स्वाद मिल सकता है और पेट भर सकता है, लेकिन उससे रोग प्रतिरोधक क्षमता नहीं विकसित हो सकती है। इसीलये हम कहते हैं कि वेजिटेबल बेबी बनाएं न कि बर्गर बेबी। डॉ. अमित कुमार दुबे ने कहा हमारे संस्कार बीमार व बुजुर्गों की सेवा करने की सलाह देते हैं न कि उपेक्षा करने की। परिवार में जितना मेलभाव रखेंगे, उतना ही बीमारियों व बेवजह के तनाव से बचेंगे। इसलिए परिवार में बगैर किसी विवाद के रहने की आदत शारीरिक रूप से भी फायदेमंद साबित होगी। कोरोना की पहली व दूसरी लहर ने भारतीय परम्परा की बुनियाद रही समाज के जरूरतमंदों की मदद करने की बात को भी सही साबित किया है, यही कारण है कि कोरोना के दौरान हमारे स्वास्थ्यकर्मी अपनी जान की परवाह किये बगैर दिन-रात एक-दूसरे की मदद को हर पल तत्पर नजर आये। इस तरह भारतीय रीतिरिवाजों व संस्कारों को अपनाकर हम कोविड-19 ही नहीं बल्कि अन्य संक्रामक बीमारियों पर भी बड़े आसानी से नियन्त्रण पा सकते हैं।

छात्र समाज पार्टी का गठन, अजय बने मुखिया

अखंड भारत संदेश

बावन बीघा तालाब सुरियावां में हुई बैठक में किया गया पार्टी और कार्यकारिणी का गठन

भदोही। बावन बीघा तालाब सुरियावां में हुई बैठक में सर्वसम्मति से छात्र समाज पार्टी का गठन किया गया। पार्टी के गठन के उपरांत इसकी कार्यकारिणी का भी चुनाव किया गया, जिसमें पार्टी की कमान समाजसेवी अजय को सौंपी गई। पार्टी के गठन व कार्यकारिणी के चुनाव पर सभी उपस्थित लोगों ने सहमति व्यक्त की और करतल ध्वनि से स्वागत किया।

52 बीघा तालाब सुरियावां के समीप हुई बैठक में स्थानीय आम लोगों ने सामाजिक और राजनीतिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एक राजनीतिक दल के गठन के संबंध में निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अजय ने पार्टी का नाम 'छात्र समाज पार्टी' प्रस्तावित किया, जिसे इस बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने सहर्ष स्वीकार किया। पार्टी के नाम पर मुहर लगने के बाद अजय को पार्टी का मुखिया चुना गया। जबकि दीपक कुमार को पार्टी महासचिव चुना गया।

उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी राहुल कुमार को, कोषाध्यक्ष पद पर अजय कुमार गौतम जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा संगठन सचिव विजय बहादुर, संगठन महामंत्री राम सजीवन, कार्यालय प्रभारी अवनीश को बनाया गया। इसके अलावा छात्र समाज पार्टी की कार्यकारिणी में 10 सदस्यों को शामिल किया गया, जिसमें लालता प्रसाद, राहुल कुमार, अजय कुमार, अशोक कुमार, दुर्गा प्रसाद, अरविंद कुमार को शामिल किया गया है। बैठक का संचालन राहुल कुमार ने किया। बैठक में महेश, राघवेंद्र, शिवप्रसाद, विजय बहादुर समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

कालीन निर्यातक के आवास पहुचे कैबिनेट मंत्री स्वामीप्रसाद

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। क्षेत्र के प्रमुख कालीन निर्यातक श्रीराम मौर्य के आवास पर पहुंचे प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य कालीन निर्यातक के बड़े भाई लल्ला राम मौर्य के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए परिजनों को सांत्वना दी। रविवार को श्री मौर्य भदोही जनपद के प्रमुख निर्यातक व समाजसेवी लल्लाराम मौर्या के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए उनके आवास पर पहुंचे। जहा परिजनों के बीच शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि 2022 में भाजपा की सरकार पूर्ण बहुमत से आएगी। सपा पर प्रहार करते हुये कहा कि लाल टोपी वाले पहले अपने परिवार की विवाद को संभाले फिर देश की राजनीति करें। कहा कि चाचा भतीजा चाहे अलग-अलग ताल ठोके चाहे एक साथ मिलजुल कर लड़े उससे भारतीय जनता पार्टी का कोई लेना देना नहीं है। 2022 के चुनाव में भाजपा की आधी विरोध दल तिनके की तरह बिखर जाएगे। बहुजन समाज समाज पार्टी की मुखिया कब किसको पार्टी मे रखेगी और कब किसको निकाल दिया जाएगा यह कोई नहीं बता सकता। प्रियंका गांधी के रायबरेली दौरे पर कहा कि चार साल आख मूद कर घर में रहने वाले लोग चुनाव आने पर जनता के बीच पहुंच जाते हैं। वे केवल ट्वीटर पर राजनीति कर रही है। कहा कि ओवैसी प्रदेश में सौहार्द बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। श्री मौर्य मुख्तार अंसारी को निकाले जाने पर कहा कि मायावती को सद्बुद्धि आ गई है। अगर अपराधियों को टिकट नही देगी तो यह स्वागत योग्य हैं। कहा कि भाजपा की सरकार जात पात से हटकर सभी वर्ग के लोगों के लिये बिना किसी भेदभाव के कार्य कर रही है। सरकार की समस्त योजनाओं का लाभ सभी दल, जाति संप्रदाय के लोग उठा रहे हैं। इस दौरान कालीन निर्यातक श्रीराम मौर्य, अखिलेंद्र सिंह बघेल, नवीन मिश्रा व अन्य लोग मौजूद रहे।

आपसी रार में धरे गए सात गांजा तस्कर, तीन कार और 16 किलो गांजा बरामद

नौ सितंबर को हुए लूटकांड का पुलिस ने किया खुलासा, तस्करों की तीन गाडियां भी बरामद

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज, कौशांबी और प्रतापगढ़ से भी जुड़े हैं गांजा तस्करों के तार, कई जनपदों में थी सप्लाई

भदोही। गांजा तस्करों के बीच हुई आपसी तकरार और उसके बाद पुलिस के पास जाना गले की फांस बन गया। आपसी रार के महज 48 घंटे के भीतर क्राइम ब्रांच और औराई पुलिस ने सात गांजा तस्करों को धर दबोचा। पुलिस ने 16 किलोग्राम गांजा और 80 हजार रुपया नगद बरामद किया है। इसके अलावा तीन गाडियां भी बरामद हुई हैं।

उक्त घटना का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह ने बताया कि नौ सितंबर को प्रशांत सिंह पुत्र दीनदयाल सिंह (निवासी बलिहार, थाना सिमरी, जनपद बक्सर, बिहार) ने पुलिस को सूचना दी कि वह अपने दोस्त अंकित सिंह (निवासी उपरोक्त) के साथ हंडिया, प्रयागराज निवासी सुरेश सिंह के यहां जा रहा था। रास्ते में घाटमपुर अंडर पास, थाना औराई के पास किसी कार्य के रुके। इसी दौरान चार अज्ञात लोग आए और आगे छोडने के लिए निवेदन किया। प्रसाद सिंह के मुताबिक उन्होंने उन चारों लोगों को गाड़ी पर बैठा लिया। आरोपित है कि कुछ दूर पहुंचने के बाद ही उक्त अज्ञात लोगों ने असलहा सटा दिया और गाड़ी से धक्का देकर गिराकर फरार हो गए। इसकी शिकायत मिलने पर औराई पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले के खुलासे के लिए क्राइम ब्रांच को भी लगाया गया। इसके बाद एएसपी, सीओ औराई, क्राइम ब्रांच और औराई पुलिस ने सर्विलांस के जरिए मामले को खंगाल डाला।

इस मामले में कुल सात लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस की गिरफ्त में आए अभियुक्त (पहले वादी) प्रशांत सिंह ने बताया कि वह अपने साथी अंकित कुमार सिंह के साथ गांजा सप्लाई प्रयागराज और कौशांबी में करता है। इनके साथ देवेंद्र सिंह उर्फ छोटू (निवासी कौशांबी), अली खान (निवासी सिविल लाइंस, प्रयागराज), दिग्विजय सिंह (निवासी हंडिया, प्रयागराज), पंकज कुमार दुबे (निवासी सराय इनायत, प्रयागराज) और शनी सिंह उर्फ आदित्य सिंह उर्फ गोलू सिंह (निवासी बक्सर, बिहार, हाल पता प्रयागराज) भी गांजा तस्करी का गोरखधंधा करते थे।पूछताछ में प्रशांत ने बताया कि उसे व अंकित को गांजा भेजने के लिए देवेंद्र सिंह ने एडवांस दिया था। इसी दौरान चार पहिया गाड़ी के लेनदेन व अपने पास रखने को लेकर तकरार हो गई। और, यह मामला औराई पुलिस के पास जा पहुंचा। पुलिस ने सातों अभियुक्तों की गिरफ्तारी के साथ 16 किलोग्राम गांजा, अस्सी हजार रुपया, एक नेक्सान कार, एक ब्रेजा और एक स्विफ्ट कार बरामद की है।

उद्योगहित में सीईपीसी से जुड़ी है अपेक्षाएं

अखंड भारत संदेश

भदोही। सीईपीसी चुनाव में पुराने अनुभवी व नये ऊर्जावान युवाओं के समावेश वाली टीम के जीत पर कालीन निर्यातकों ने शुभकामनाएं व बधाई देते हुए नई नवनिर्वाचित टीम से कालीन उद्योग हित में विभिन्न अपेक्षा किया है। एकमा के पूर्व मानद सचिव हाजी शाहिद हुसैन ने कहा कि पहली बार ऐसा अवसर देखने को मिला की एकमा व सीईपीसी के लोग परिषद पहुंचने में कामयाब हुए है। इतिहास गवाह है जब सीईपीसी एकमा से ताल मेल मिला कर चला है तो निश्चित ही उद्योग का भला हुआ है। इस बार तो वर्तमान मानद सचिव अशलम महबूब सीईपीसी कोआ में चुने गये। युवा तेज तर्रार ऊर्जावान इम्तियाज अंसारी भी एकमा के ही सम्मानित सदस्य है। ये लोग वर्षो से उद्योग हित में कार्य करते चले आ रहे है। अब सीईपीसी में प्रशासनिक समिति सदस्य पद पर चुने गये है। तो पुराने अनुभवी लोगों के साथ उद्योग का भला होगा। पूर्व मानद सचिव ने कहा कि अभी हाल ही में रोडटेप की नई दर लागू हुआ जिसमें निर्यात पर 5 प्रतिशत टेक्स में मिलने वाला लाइसेंस बंद हो गया। ड्रा बैक में कमी हुई है। अन्य समस्या भी है। एक्सपो मार्ट में मेला आयोजन की भी मांग है। जिस पर नई टीम से संघर्ष की अपेक्षा है। सपा जिलाध्यक्ष व कालीन व्यवसायी विकास यादव ने निर्वाचित टीम को बधाई देते आश्वस्त किया कि 2022 विधानसभा चुनाव में सपा की सरकार बनते ही कालीन उद्योग को पूर्व सपा सरकार की तरह पुनः सहयोग दिलाने पर कार्य होगा। सपा मुखिया जब प्रदेश के मुख्यमंत्री बने तो भदोही में कालीन उद्योग के तरक्की के लिए एक्सपो मार्ट बनवाया। जिलाध्यक्ष ने कालीन निर्यातकों, बुनकर मजदूरो व तमाम उद्योग से जुड़े सम्मानित जनो से सपा की सरकार बनाने में सहयोग मांगा।

सपा सरकार बनने पर लागू होंगी कल्याणकारी योजनाए

चौपाल लगाकर पूर्व सपा सरकार की गिनाई गयी उपलब्धियां

अखंड भारत संदेश

भदोही। औराई ब्लॉक के ग्राम सभा उपरौठ में सुनील शर्मा के आवास पर जन चौपाल के माध्यम से बनवासी, शर्मा, कन्नौजिया, गुप्ता समाज के लोगों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में बनवासी, शर्मा, कन्नौजिया एवं गुप्ता समाज के लोग समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव हृदय नारायण प्रजापति उपस्थित रहे। इस मौके पर सपा जिला महासचिव हृदय नारायण प्रजापति ने कहा कि बड़ी तादाद में चारों समाज के लोग समाजवादी पार्टी में शामिल हुए है। मैं उनका तहे दिल से स्वागत और सम्मान करता हूं। चारों समाज के लोगों पर अत्याचार किसी भी किमत पर सहन नही किया जायेगा। सामाजवादी पार्टी किसानों एवं गरीबों की पार्टी है। यहां पर हर वर्ग के लोगों का सम्मान किया जाता है। उन्होंने कहा अगर 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है तो 300 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी और हर गरीब महिलाओं को समाजवादी पेंसन देने का काम करेंगे। जिन लोगों के पास खुद का मकान नही है तंतपाल, मड़हा या कच्चे घर में अपना जीवन बसर कर रहे हैं, ऐसे लोगों को लोहिया आवास योजना के तहत पक्के मकान देने का काम होगा। महासचिव ने यह भी बताया कि गरीब तख्त के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुफ्त मिलेगी, सिंचाई मुफ्त मिलेगी, पढ़ाई मुफ्त होगी। वहीं सपा में शामिल हुए बनवासी, कन्नौजिया गुप्ता एवं शर्मा समाज के लोगों ने लामबंद होकर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी के लिए दमखम से काम करने एवं 2022 में पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया। इस मौके पर डब्लू बनवासी, सुरेश बनवासी, पंधारी मुसहर, लालचंद्र मुसहर, मनोज कन्नौजिया, महेंदर कन्नौजिया, मुनक्का कन्नौजिया, सुरेंदर शर्मा, अंतिम शर्मा, घनश्याम शर्मा, राजकुमार जायसवाल, पन्ना गुप्ता, आकाश गुप्ता, रमेश गुप्ता, संतोष गुप्ता, महेंद्र कन्नौजिया, रिंकू शर्मा, भोला गुप्ता, पंचम बनवासी, मुकेश समेत काफी संख्या में महिला पुरुष उपस्थित रहे।

खुला मिला दरवाजा, चोरों ने उड़ाया लाखों का माल

घर से कुछ दूरी पर मिला टूटा हुआ बाक्स और बैग

अखंड भारत संदेश

चौरी। भूलवश पीछे का दरवाजा खुला छोडना एक परिवार को बीती रात भारी पड़ गया। पीछे के रास्ते मकान में घुसे चोरों ने 25 हजार रुपये नगदी सहित हजारों की कीमत के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की यह घटना चौरी थाना क्षेत्र के समालकोट गांव के सरोज बस्ती की है। चोरी की जानकारी आज सुबह हुई तो परिवार के होश उड़ गए। छानबीन के दौरान घर से चुराया गया बैग व कपड़ा कुछ दूर पाया गया। मामले की तहरीर मुकामी पुलिस को दी गई है। समालकोट गांव के सरोज बस्ती के रहने वाले लुड्डर सरोज ने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि शनिवार की रात मकान के पीछे लगे दरवाजे के रास्ते चोर घर के अंदर आ गए और कमरे के अंदर रखे दो बैग व एक बॉक्स पार कर दिया। पीड़ित ने बताया कि बैग में 25 हजार नगद सहित बॉक्स में जेवरात रखे थे। बताया जा रहा है कि बीती रात परिवार के लोग, सोने से पहले पीछे का दरवाजा बंद करना भूल गए थे, जिसका फायदा चोरों ने उठाया। पुलिस ने घर से कुछ दूरी पर बिखरे सामान के साथ टूटे हालत में बॉक्स और बैग को बरामद किया है।

भारत को विश्वगुरू बनाने के लिये देश को नशामुक्त करना जरूरी

नशामुक्त भारत यात्रा की तैयारी में जुटे सुमित सिंह ने अन्ना हजारे से की मुलाकात

अखंड भारत संदेश

भदोही। काशियाना फाउण्डेशन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय नशामुक्ति एवं पुनर्वास समिति भारत सरकार के सदस्य सुमित सिंह नशामुक्त भारत यात्रा की तैयारी के तहत पुणे स्थित रालेगण सिद्धि में विश्व के प्रख्यात समाजसेवी अन्ना हजारे से रविवार को मुलाकात कर मार्गदर्शन लिया। श्री सिंह का मानना है कि भारत को विश्वगुरू बनाने के लिये सर्वप्रथाम देश को नशामुक्त करना जरूरी है। बता दें कि सुमित सिंह भदोही जिले के गोपीगंज निवासी हैं, जो कई वर्षों से नशामुक्ति के लिये कार्य कर रहे हैं। श्री सिंह ने बताया कि नशामुक्त भारत यात्रा की तैयारी के वे देश की विभिन्न हस्तियों से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। इसी के तहत अन्ना हजारे से मिलकर मार्गदर्शन लिया गया। क्योंकि श्री हजारे में नशामुक्ति के लिये अद्भुत कार्य किया है। सुमित ने बताया कि नशामुक्त भारत यात्रा की शुरूआत देश की सांस्कृतिक राजधानी काशी से शुरू होकर गोरखपुर, अयोध्या, लखनऊ, कानपुर, मथुरा, वृंदावन, नोएडा, दिल्ली, कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश सहित पूरे देश में निकाली जायेगी। जिसका मुख्य उद्देश्य होगा देश के युवाओं को नशामुक्त समाज बनाने के लिए जागरूक करना। इस दौरान प्रमुख स्थानों पर नुक्कड़ नाटक, चौपाल, हस्ताक्षर अभियान सहित कई अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जायेगे। सुमित का मानना है कि स्वच्छता की युक्ति नशामुक्ति से ही संभव है। इसलिये स्वच्छ व सुन्दर भारत की परिकल्पना तभी साकार होगी जब देश का युवा नशामुक्त हो। नशामुक्त भारत अभियान के तहत पुणे स्थित रालेगण सिद्धि में विश्व के प्रख्यात समाजसेवी अन्ना हजारे से औपचारिक मुलाकात के दौरान आगामी नशामुक्त भारत यात्रा को लेकर कई विषयों पर चर्चा हुई। कहा कि श्री हजारे के मार्गदर्शन से इस अभियान को गति मिलेगी। इस दौरान प्रवीण तिवारी एवं अमोल पवार उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थिति में युवती की मौत

चौरी। थाना क्षेत्र के पल्हैया गावं में एक युवती की संदिग्ध हाल में मौत हो जाने का समाचार मिला है। आनन फानन में परिजनों ने युवती के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक युवती गत दिनों अपने प्रेमी के साथ घर से भाग गई थी। दोनो युगल प्रेमियों को जौनपुर में पकड़ा गया था। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह तरह की चर्चाएं व्याप्त है। बताया जाता है कि गत दो दिन पूर्व एक किशोरी गांव के ही एक युवक के साथ घर से फरार हो गई थी। परिजनों द्वारा इस मामले में पुलिस को सूचना देकर खोजबीन शुरू कर दिया था। वहीं शनिवार को जौनपुर जिले के पालीटेक्निक चौराहा के पास से दोनों के मौजूद होने की सूचना पर युवती के परिजन मौके पर पहुंच गए और दोनों को वहां से ले आये। दोनों लोगों का पुलिस के बीच समझौता भी हुआ था। बताया जा रहा है ।

18वीं वाहिनी भारत तिब्बत पुलिस का नपा चेयरमैन ने किया स्वागत

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। स्वतंत्र भारत की 75वी वर्ष गांठ पर अमृत महोत्सव 2021 के तहत 18वी वाहिनी भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल द्वारा पटना से रायबरेली के लिए निकाली गयी साइकिल यात्रा रविवार को गोपीगंज पहुंची। जहां कमांडेंट डब्ल्यू इनोबी सिंह व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रहलाद दास गुप्त ने उनकी आगवानी करते हुए माल्यार्पण किया और गुलदस्ता भेट किया। इस दौरान मौजूद बच्चे, वृद्धजन और नौजवानों ने पुष्प वर्षा की। यात्रा में शामिल जवान रात्रि विश्राम के उपरांत सोमवार को प्रातःकाल प्रयागराज रवाना होगी। असिस्टेंट कमांडेंट सत्येंद्र सिंह नेतृत्व में नौ सितंबर को पटना बिहार से निकाली गई साइकिल यात्रा वाराणसी होते हुए रविवार को गोपीगंज पहुंची। यात्रा में शामिल जवान रास्ते में शहर बाजार तथा गांव में लोगों को जागरूक करते हुए देश की आजादी के लिए जान की कुर्बानी देने वाले अमर शहीदो का स्मरण करा रहे हैं। साथ ही पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पौधा रोपण के साथ स्वच्छता अभियान का कार्य भी किया जा रहा है। कमांडेंट ने बताया भारतवर्ष के सांस्कृतिक धरोहर को सहेज कर रखने की आवश्यकता है, जिसका संदेश दिया जा रहा है। साइकिल रैली में 12 प्रतिभागी सम्मिलित है। रात्रि विश्राम के उपरांत यात्रा सुबह प्रयागराज रवाना होगी। इस मौके पर भारत तिब्बत सीमा के असिटेंट कमांडेंट मनोज कुमार गौतम, डिप्टी कमांडेंट दिनेश राज, इंस्पेक्टर मंगलमूर्ती, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ बलराज, हरिकृष्ण त्रिपाठी समेत 18 वीं वाहिनी भारत तिब्बत सीमा पुलिस के जवान के साथ सभासद ज्ञानेश्वर अग्रवाल, मोहित उमर, संतोष मोदनवाल, सुशील, नरेंद्र दुबे, लेखपाल अमरीश पांडेय, कबीर खान, अफरोज अली, पप्पू आदि लोग रहे।

सम्पादकीय

कांग्रेसी चक्रवात

पिछले करीब दो वर्षों से पूर्णकालिक अध्यक्ष के बगैर चल रही कांग्रेस की अंदरूनी समस्याएं कम होने का नाम ही नहीं ले रहीं। जैसे-तैसे करके पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री बनाए रखते हुए सिद्धू को प्रदेश अध्यक्ष पद सौंप कर मामले को सेटल किया गया कि इतने में छत्तीसगढ़ से शोर सुनाई देने लगा। पिछले करीब दो वर्षों से पूर्णकालिक अध्यक्ष के बगैर चल रही कांग्रेस की अंदरूनी समस्याएं कम होने का नाम ही नहीं ले रहीं। जैसे-तैसे करके पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री बनाए रखते हुए सिद्धू को प्रदेश अध्यक्ष पद सौंप कर मामले को सेटल किया गया कि इतने में छत्तीसगढ़ से शोर सुनाई देने लगा। वहां भूपेश बघेल के मुख्यमंत्रित्व को उन्हीं के एक मंत्री टीएस सिंह देव चुनौती दे रहे थे। बघेल को दो बार दिल्ली आना पड़ा। उसके बाद दावा किया गया कि वही सीएम रहेंगे और छत्तीसगढ़ में कोई समस्या नहीं है। इसी बीच पंजाब में फिर हालात बेकाबू होने लगे। मुख्यमंत्री के खिलाफ नए सिरे से उठ खड़े हुए कुछ असंतुष्ट मंत्रियों को तो समझा-बुझाकर शांत कर दिया गया, विवादित बयान देने वाले नए प्रदेश अध्यक्ष के सलाहकार का पद से हटना भी सुनिश्चित कर लिया गया, लेकिन इसका क्या किया जाए कि खुद अध्यक्ष ही पार्टी को धमकाने लग जाए। पंजाब में इस पार्टी के सामने यह विचित्र स्थिति हो गई है कि इसके नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने खुला ऐलान कर दिया है कि अगर उन्हें फैसले लेने की आजादी नहीं दी गई तो वह ईंट से ईंट बजा देंगे। पार्टी ने फिलहाल यह कहकर मामले पर लीपापोती की कोशिश की है कि उनके बोलने का ढंग ही कुछ ऐसा है, लेकिन देखना होगा कि ऐसा बोलने वाले अध्यक्ष से पार्टी कितना और कब तक निभा पाती है और कितना नुकसान झेलने के बाद कैसे छुटकारा पाती है। बहरहाल, मामला किसी एक या दो राज्य का नहीं है। कांग्रेस लगभग हर राज्य में किसी न किसी तरह की संगठनात्मक चुनौती का सामना कर रही है। राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच का घोषित विवाद अभी तक पूरी तरह सुलटा नहीं है। पायलट खेमा जहां अपने पुनर्वास का इंतजार कर रहा है और इसमें हो रही देर को लेकर समय-समय पर अपनी बेचैनी प्रकट करता रहता है, वहीं गहलोत खेमा अब भी इस बात पर अड़ा हुआ है कि पार्टी नेतृत्व बीजेपी की सरकार गिराने की साजिश को नाकाम करने वाले वफादारों की कीमत पर 'गद्दारों' को बढ़ावा न दे। महाराष्ट्र में प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले के बयान जब-तब पार्टी का सिरदर्द बनते रहते हैं। इस कारण न केवल पार्टी के अंदर बल्कि महाविकास गठबंधन के अन्य घटक दलों के साथ रिश्तों में भी तनाव पैदा होता रहता है। चाहे दक्षिण का केरल और कर्नाटक हो या उत्तर का जम्मू कश्मीर या फिर पूर्वोत्तर का असम- कोई क्षेत्र ऐसा नहीं है जहां पार्टी संगठन असमंजस और अनिश्चितता से उपजी चुनौतियों से न जूझ रहा हो। राष्ट्रीय स्तर पर अपना असंतोष खुलकर प्रकट कर चुका जी-23 नेताओं का ग्रुप तो है ही। इन समस्याओं को टुकड़ों में देखने से काम नहीं चलेगा। यह समझना होगा कि इन सबका मूल पार्टी नेतृत्व के अपने असमंजस, अपनी अनिश्चितता में है।

और फिर वे इन्फोसिस के मूर्तिभंजन के लिए आए, नारायण नारायण

बादल सरोज

जिन नारायण मूर्ति को पाञ्चजन्य ने टुकड़े-टुकड़े गैंग का संरक्षक, नक्सल और वामपंथी बताया है वे पद्म विभूषण और पद्मश्री के अलावा भारत के आईटी सेक्टर के पिता-फादर ऑफ इंडियन आई टी सेक्टर - माने जाते हैं। इन्फोसिस भारत की वह आई टी कंपनी है जिसने सूचना क्रान्ति और आईटी क्रान्ति, जिस पर सवार होकर नवउदारीकरण का तूफ़ान भी आया, को भारत में ही संभव नहीं बनाया बल्कि दुनिया के 50 देशों में अपने तकनीकी योगदान से वहां की आईटी क्रान्ति में भूमिका निबाही।आरएसएस और भाजपा की दीदादिलेरी काबिलेगौर है। वे जितनी फटाफट द्रुत गति से अपने मुखौटे उतार रहे हैं उससे जिन्हें अब भी यह भ्रम था कि पहले तोहमतें लगाकर बदनाम करना, उसके बाद नफरतें उभारना और आखिर में मॉब-लिंचिंग कर निबटा देने का काम सिर्फ किसी ख़ास धार्मिक समुदाय या वर्ण या महिलाओं के लिए ही है वह दूर हो जाना चाहिए। उन्माद की हवस और हिंसक विभाजन की लत अत्यंत तेजी से बढ़ती है- वह किसी को भी नहीं बख्शती है। मौजूदा हुकूमत उसकी मिसाल है जहां हम दो (अम्बानी और अडानी) और हमारे दो (मोदी - शाह) को छोड़कर हरेक शख्स संदेह के घेरे में है, अपना भी और जो अपना नहीं है वह भी; और किसी ने भी जरा सी चूं-चां की तो उसके लिए राष्ट्रविरोधी का तमगा तैयार है। इस बार वे इन्फोसिस के लिए आए हैं। आरएसएस के हिंदी मुखपत्र पांचजन्य ने भक्तों को उसके प्रमुख नारायण मूर्ति के पीछे छू कर दिया है। कुरुक्षेत्र में श्रीकृष्ण द्वारा बजाए गए शंख पाञ्चजन्य का नाम धर उसे नारायण के खिलाफ ही फूंक दिया गया है। पाञ्चजन्य के मुताबिक़ इन्फोसिस प्रमुख नारायण मूर्ति, नक्सल - लैफ्टिस्ट और टुकड़े-टुकड़े गैंग तीनों के सगे हैं। हालांकि खुद इस संघी अखबार के मुताबिक उसके पास इस सबके कोई प्रमाण नहीं है मगर इसके बावजूद उसकी मांग यह है कि यह नारायण मूर्ति की जिम्मेदारी है कि वह सप्रमाण सफाई दें कि वे यह सब नहीं है। यह ठीक वही पैटर्न है जो आरएसएस अब तक जेएनयू से लेकर अल्पसंख्यक समुदाय, साहित्यकारों से लेकर संविधान निर्माताओं और किसान आंदोलन तथा दलितों से लेकर कम्युनिस्टों सहित अपने सभी चिन्हांकित विरोधियों के खिलाफ आजमाता रहा है। कुछ को ताज्जुब हुआ जब इस बार निशाने पर नारायण मूर्ति आये जो खुद एक विशाल कारपोरेट कंपनी के चीफ हैं।

हालांकि अपनी चिरपरिचित चतुराई दिखाते हुए आरएसएस ने इस से गांठ भी बांध रखी है और पल्ला भी झाड़ लिया है। आरएसएस प्रवक्ता ने इन्फोसिस की आलोचना से अलग होते हुए पाञ्चजन्य को अपना मुखपत्र ही मानने से इंकार कर दिया है। दो जुबानों से बोलना और दुविधा में पड़ने पर साफ़ मुकर जाना आरएसएस का मूल स्वभाव है। अपने एकमात्र चिंतक विचारक सावरकर को, जब तक वे जीवित रहे तब तक, कभी अपना नहीं माना। खुद अपने 'परमपूज्य गुरु जी' गोलवलकर की 1939 में लिखी किताब 'वी ऑर अवर नेशनहुड डिफाइंड' (हम और हमारी राष्ट्रीयता की परिभाषा) की खतरनाक प्रस्थापनाओं पर लोगों में आक्रोश दिखने पर 2006 में आरएसएस ने आधिकारिक बयान जारी कर उससे भी नाता तोड़ लिया था। सार्त्फछुपते भी नहीं सामने आते भी नहीं की कलाकारी कब-कब आजमाई गई इसका ब्यौरा लिखने के लिए एक इनसाइक्लोपीडिया भी छोटा पड़ जाएगा। जिन नारायण मूर्ति को पाञ्चजन्य ने टुकड़े-टुकड़े गैंग का संरक्षक, नक्सल और वामपंथी बताया है वे पद्म विभूषण और पद्मश्री के अलावा भारत के आईटी सेक्टर के पिता-फादर ऑर्त्फ इंडियन आई टी सेक्टर - माने जाते हैं। इन्फोसिस भारत की वह आई टी कंपनी है जिसने सूचना क्रान्ति और आईटी क्रान्ति, जिस पर सवार होकर नवउदारीकरण का तूफ़ान भी आया, को भारत में ही संभव नहीं बनाया बल्कि दुनिया के 50 देशों में अपने तकनीकी योगदान से वहां की आईटी क्रान्ति में भूमिका निबाही। करीब तीन लाख से ज्यादा को रोजगार देने वाली इन्फोसिस का मार्केट कैपिटलाइजेशन 7 ट्रिलियन (7 लाख 21 हजार 244 करोड़ रुपये का है। कायदे से कारपोरेट के लिए- कारपोरेट की-कारपोरेट के द्वारा वाली सरकार के लिए नारायण मूर्ति को आंखों का तारा होना चाहिए था। मगर कहानी लिपे-लिपाये से बाहर अनलिपे में जा रही है। डिजिटल दुनिया में गूगल के साथ कारोबारी भागीदारी करने वाली यह संभवतः अकेली भारतीय कंपनी है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के आधार पर आई टी सेक्टर में नवोन्मेष और अनुसंधानों के मामले में भी इन्फोसिस की साख और धाक है। उस पर आघात के लिए एकाध पोर्टल में रह गई सुधारी जाने योग्य कमियां भर होंगी यह मानने की कोई वजह नहीं है। इसकी एक वजह तो नारायण मूर्ति और इन्फोसिस की फिलेंथ्रोपी-कुछ-कुछ लोकोपकारी गतिविधियां-हो सकती हैं। मगर वे कोई इतनी विराट या निर्णायक नहीं है कि उनसे इन्द्रासन डोल जाए। पिछली चार वर्षों और खासकर कोरोना काल में इनके लोकोपकार की बजाय किये गए अनाचार कहीं ज्यादा है। एक बात जरूर है कि अंततः सिन्फोसिस के कमजोर होने का लाभ इस कारोबार की महाकाय शार्क बिल गेट की मोनोपोली को ही मिलेगा। अपने अनगिनत औजारों और उपकरणों और प्रोग्राम्स के जरिये डिजिटल दुनिया के इस जार ने पहले ही लगभग सब कुछ हड़प रखा है। क्या यह शंख उनके लिए है? यदि नहीं तो क्या उन हम दो के लिए है जिन्होंने हमारे दो को राज में लाने के बाद देश का हर उद्योग, हर क्षेत्र, तकरीबन प्रत्येक रणनीतिक क्षेत्र और वित्तीय इदारा अपने इजारे में ले लिया है। बस यही सेक्टर है जो अभी तक उनकी काली छाया से बचा है। यही (और अज़ीम प्रेमजी की विप्रो) कंपनी हैं जिन्हें शेयर खरीद कर कब्जाने और बांह मरोड़कर अपना बनाने में अम्बानी, अडानी कम से कम फिलहाल कामयाब नहीं हुए है। ताज्जुब नहीं होगा कि खोखले शंख की इस ध्वनि के बाद ईडी और सीबीआई अपने जूतों के फीते बांधकर इन संस्थानों की तरफ बढ़ें। मुसोलिनी ने कहा था कि 'फासिज्म को कार्पोरेटिज्म कहना ज्यादा सही होगा क्योंकि यह सत्ता और कारपोरेट का एक दूसरे में विलय है।' आज मुसोलिनी अपने कहे को अपडेट करते हुए इसे और साफ करते हुए कारपोरेट के आगे दरबारी शब्द और जोड़ते। अच्छे शिष्यों का काम है गुरु का पंथ आगे बढ़ाना; संघ और पाञ्चजन्य नारायण ना-रायण कहते-कहते इसी गुरु-शिष्य परम्परा का पालन कर रहे हैं।

मैं अपने ही दर्द का गवाह हूँ

मुरली

अजीब सी बात है , मुझे लगता है मुझे जैसा होंना चाहिए मैं वैसा नहीं हूँ । आज यह तीसरी रात है मैं ठीक से सो नहीं पा रहा हूँ । सवाल है कि मुद्दा क्या है। मैं जानता हूँ कि , जिस बात से मुझे नींद नहीं आ रही है वह कोई मुद्दा नहीं है , मुद्दा यह है कि मुझे ऐसा नहीं होंना चाहिए जैसा मैं हूँ और सवाल यह है कि मेरे चाहने और न चाहने से कुछ नहीं होता , मैं जैसा हूँ वैसा ही हूँ , यह जानते हुए भी कि मुझे ऐसा नहीं होंना चाहिए जैसा कि मैं हूँ । कभी कभी क्या अभी कई दिनों से मैं सिर्फ यह सोच रहा हूँ कि , क्या मेरा होंना मेरे हाथ में है होने का अर्थ जीवन नहीं प्रकृति से है। अर्थात मेरी जो प्रकृति है वह मेरे हाथ में है क्या और उत्तर मिलता है नहीं, यदि ऐसा होता तो , जैसा मुझे होंना चाहिए वैसा न होता! या फिर जैसा मैं होना चाहता हूँ वैसा हो न जाता। और तब मैं कहता हूँ , मैं अपने ही जीवन में , अपने ही दर्द का गवाह बन गया हूँ । कौन सा दर्द कैसा दर्द यही कि जैसा मुझे होंना चाहिए मैं वैसा नहीं हूँ या फिर जैसा मैं होंना चाहता हूँ वैसा भी नहीं हूँ , तो क्या यह मेरा होंना आज जो मैं हूँ, वह मेरे ही हाथ में नहीं है। यह दर्द की बात ही तो है कि , जैसा मुझे होंना चाहिए मैं वैसा नहीं हूँ वह भी अपनी ही निगाह में । जैसा मैं होंना चाहता हूँ वह भी नहीं हूँ, वह भी अपनी निगाह में , क्योंकि मैं कैसा होंना चाहता हूँ यह मेरे सिवाय और कोई जानता ही नहीं और अब अंतिम बात मैं जैसा हूँ वैसा ही हो जाना , मेरे हाथ में नहीं है यह पीड़ा नहीं तो और क्या है मैं इसे जानता हूँ और इसलिए अपने ही दर्द का स्वयं गवाह हूँ । क्या पागलपन है , कि दर्द मेरा है , मैं उसे जनता भी हूँ , उसे पलट भी सकता हूँ , अपने इस दर्द से बाहर आने में ,मेरे पास क्षमता की कमीं नहीं है , मुझे जैसा होंना चाहिए वैसा नहीं हूँ तो यह जान लेने के बाद वैसा बन जाने का विकल्प मेरे पास मौजूद है। इतना ही नहीं , मैं जैसा बनना चाहता हूँ वैसा बन जाने का विकल्प है मेरे पास, फिर मैं आज जैसा हूँ अपनी च्वाइस के खिलाफ वैसा क्यों हूँ और तब मैं कहता हूँ , जैसा मैं हूँ वैसा ही होंना हमारी नियति है क्या क्या अपनी च्वाइस से हमारे कुछ हो जाने का विकल्प भी हमारे पास नहीं है !

यदि ऐसा है तो, मैं अपने ही दर्द का मूक गवाह हो उसका दर्शक मात्र हूँ । अब इस बिन्दु पर मैं यह कैसे बता सकता हूँ कि , मैं क्या हूँ और मुझे क्या होंना चाहिए इतना ही नहीं, मुझे क्या हो जाने की चाह है। क्योंकि यह प्रश्न तो हर किसी के जीवन का उतना ही बड़ा सत्य है, जितना कि मेरे जीवन का । तब प्रश्न उठता है , विकल्प होते हुए भी, हम वही क्यों हैं, जो हैं और यही सत्य है , तो यह एक पीड़ा नहीं तो और क्या है अब गौर से देखिए कि इस पीड़ा को जन्म देंन वाला भी तो मैं ही हूँ, इस तरह का चिंतन करते हुए, क्या मैं अपने ही दर्द का मूक दर्शक नहीं बन बैठा हूँ, यदि इस चिंतन को जन्म ही न दिया जाए और स्वीकार किया जाए कि मैं जैसा हूँ वह मेरी नियति है तो बात ही समाप्त हो जाती है। जब हम नियति को स्वीकार कर ही रहे हैं, तो प्रश्न कहां है और फिर, यही प्रश्न और यही पीड़ा भी है कि, हम क्षमतावान हो कर भी नियति को स्वीकार रहे हैं अर्थात क्या नियति को स्वीकारने के अतिरिक्त हमारे पास विकल्प नहीं है। और यही है जो कहता है हम क्या हैं और हमें क्या होंना चाहिए या फिर मैं वह नहीं हूँ जो मुझे होंना चाहिए। अपनी पीड़ा को मिटाने के लिए आज जो मैं हूँ , उसके स्थान पर मुझे जो होंना चाहिए इसके लिए कदम उठा लूँ , तो जो होंना चाहता हूँ, उसके लिए भी प्रयास कर सकता हूँ । क्या होगा इससे , क्यों उठाऊंगा यह कदम , गौर से देखें तो अपनी पीड़ा से बाहर आने के लिए । मैं अपनी ही पीड़ा का गवाह हूँ और जनता हूँ कि ऐसा करते हुए, मैं एक पीड़ा से तो बाहर निकल जाऊँगा, लेकिन दूसरी पीड़ा को ग्रहण कर लूंगा। ऑर्थत मेरे पास, एक पीड़ा से निकल कर दूसरी पीड़ा में शिफ्ट कर जाने मात्र का ही विकल्प है। यह अलग बात है कि हम दो उपलब्ध पीड़ा में से अपनी सुविधा अनुसार किस पीड़ा के विकल्प को चुनते हैं और यह दो में से एक पीड़ा के चुन लेनें का विकल्प स्वयं में ही क्या कम कष्टकर है। मैं अपने ही दर्द का गवाह हूँ और उसी का मूक दर्शक । नियति मेरी मित्र है या शत्रु पता नहीं ,पर इतना जरूर है कि, वह मुझे विकल्प से बाहर ले जा कर, मुझे ढेर सारे विकल्प के उलझनों से मुक्त कर देती है।

इतिहास के मुकम्मल अंत की ओर

राजेंद्र शर्मा

जलियांवाला बाग के इस नवीनीकरण मेंए जिसे अनेक आलोचकों ने उचित ही सुंदरीकरण कहना ही बेहतर समझा हैए मुख्य जोर इस स्मारक के मूल स्वरूप को ज्यादा से ज्यादा संरक्षित रखने तथा उसके संरक्षण के लिए नितांत अपरिहार्य बदलाव ही करने के बजायए उसे दर्शकों के लिए ज्यादा से ज्यादा आकर्षक तथा सुविधाजनक बनाने पर ही रहा लगता है। संक्षेप में कहें तो यह नवीनीकरण वास्तव मेंए एक पर्यटन स्थल के रूप में जलियांवाला बाग के विकास को संबोधित था। अचरज की बात नहीं है कि अमृतसर के ऐतिहासिक जलियांवाला बाग के नरेंद्र मोदी की सरकार के हाथों से हुए कथित नवीनीकरण या सुंदरीकरण नेए उसी तरह से तीखा विवाद पैदा किया हैए जैसे इसी सरकार की नई संसद समेतए सेंट्रल विस्टा के नव.निर्माण की योजना कर रही है। फिर भी हम यहां खुद को इस प्रकार के नव.निर्माण की प्रकृति के सिलसिले मेंए विशेष रूप से जलियांवाला के संदर्भ में उठे सवालों तक ही सीमित रखना चाहेंगे। नई संसद व सेंट्रल विस्टा के विपरीतए चूंकि जलियांवाला बाग का प्रसंग नये निर्माण का नहीं बल्कि एक ऐतिहासिक स्मारक के नवीकरणध् संरक्षण का हैए इसलिए यह सवाल विशेष रूप से प्रासंगिक हो जाता है कि क्या इस नवीकरण मेंए इस स्मारक का ऐतिहासिक रूप संरक्षित रहा हैघ् अगर नहींए तो यह निश्चित रूप से इस ऐतिहासिक धरोहर के साथ और इसलिए उससे जुड़े इतिहास के साथ ही हिंसा है। जलियांवाला बाग के इस नवीनीकरण मेंए जिसे अनेक आलोचकों ने उचित ही सुंदरीकरण कहना ही बेहतर समझा हैए मुख्य जोर इस स्मारक के मूल स्वरूप को ज्यादा से ज्यादा संरक्षित रखने तथा उसके संरक्षण के लिए नितांत अपरिहार्य बदलाव ही करने के बजायए उसे दर्शकों के लिए ज्यादा से ज्यादा आकर्षक तथा सुविधाजनक बनाने पर ही रहा लगता है। संक्षेप में कहें तो यह नवीनीकरण वास्तव मेंए एक पर्यटन स्थल के रूप में जलियांवाला बाग के विकास को संबोधित थाए जैसे पर्यटक स्थल विकास का मॉडल गुजरात में साबरमती रिवर फ्रंट के मुख्यमंत्री मोदी के समय में हुए विकास से निकला था। अब तक आई जानकारियों के अनुसारए कथित नवीकरण में किए गए तीन बड़े बदलावए इसी तरह के पर्यटन विकास मॉडल का संकेत देते हैं।इनमें पहला और शायद जलियांवाला बाग के इतिहास की स्मृति के साथ सबसे ज्यादा हिंसा करने वाला बदलाव तोए उस तंग से किंतु अपेक्षाकृत लंबे गलियारे का आडंबरपूर्ण तरीके से चमक.दमक भरा पुनर्निर्माण हैए जो गलियारा हर तरफ से घरों की दीवारों से घिरे इस उजड़े हुए पुराने छोटे से बाग तक पहुंचने का और उसमें से निकलने का भीए एकमात्र रास्ता था। आने.जाने के इस इकलौते गलियारे को बंद कर केए ब्रिटिश सेना ने एक विरोध सभा के लिए जमा हुए निहत्थे लोगों पर गोलियां बरसाकरए भारत में अपने राज के सबसे क्रूर तथा सबसे बड़े नरसंहारों में से एक को अंजाम दिया था। इस गलियारे कोए जो उस इतिहास की स्मृति के प्रवेश द्वार के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए थाए ऐसा रूप दे दिया गया है जो उस गलियारे से गुजरकर ब्रिटिश फौज द्वारा बरपा की गई विभीषिका की याद को बढ़ाने के बजायए उसकी ओर से ध्यान बंटाने का ही काम कर सकता है। इसी तरह का दूसरा बदलावए इस बाग में रहे एकमात्र कुंए के साथ किया गया हैए हताशा में जिसमें कूद कर पचासों लोगों ने जान बचाने की उम्मीद में अपनी जान गंवाई थी क्योंकि उजाड़ बाग के इस खुले मैदान मेंए ऐसा कुछ था ही नहीं जिसकी ओट में कोई गोलियों की बौछार से खुद को बचाने की कोशिश करता। निर्दोष नागरिकों की हताशा और विदेशी शासन की क्रूरता के इस स्मारक कोए अन्य बदलावों के अलावा कमल के फूलों से सजा दिया गया है। और ऐसा ही तीसरा बदलाव यह किया गया है कि चूंकि मरने वालों और घायल होने वालों के शरीर में लगी गोलियों के अलावा बाकी गोलियां इस बाग की तीन ओर की दीवारों से जाकर टकराई थींए इन दीवारों पर पचासों जगह पर इन गोलियों के निशान थे। ये निशान अपनी विशाल संख्या से भी इसकी याद दिलाते थे कि जलियांवाला बाग में ब्रिटिश सेना ने निहत्थे नागरिकों पर कैसी भयानक गोलीबारी की थी। लेकिनए इन दीवारों को संरक्षित करने के जरूरी काम के नाम परए प्रतीकात्मक रूप से कुछ निशानों को छोड़करए इनमें से ज्यादातर निशानों को मिटा दिया गया है।

और इस सब के ऊपर से है एक श्लाइट एंड साउंड शोश् का इस ऐतिहासिक स्थल के साथ जोड़ा जानाए जो सीधे.सीधे इस इतिहास के साथ कितना सही सलूक करेगाए उसके संबंध में भी मौजूदा निजाम में ज्यादा आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता हैए फिर भी वह सबसे बड़ा काम यह करेगा कि साधारण नागरिकों की शहादत और खून से पवित्र हुए इस स्थल की गरिमा और गंभीरता को घटाकरए इसे एक शोर.शराबे भरे पर्यटन स्थल में बदले जाने को मुकम्मल कर देगा। कोई कह सकता है कि इसमें भी क्या बुराई हैए अगर इस सब से आकर्षित होकर पर्यटक बनकर ही सहीए ज्यादा लोग इसे देखने आएंगेघ् बेशकए जितने ज्यादा लोग जलियांवाला बाग देखने जाएंगेए उतना ही अच्छा होगा। लेकिनए इतना ही महत्वपूर्ण यह है कि जाने वालेए अब जलियांवाला बाग में क्या देखेंगेघ् बल्कि यह कहना ज्यादा सही होगा कि हमारे शासकए जलियांवाला बाग में लोगों को क्या दिखाने का इंतजाम कर रहे हैंय बाग या नरसंहार का इतिहास! लेकिनए इतिहास को और उसमें भी आधुनिक यानी वर्तमान से कुछ ही पहले के तथा खासतौर पर ब्रिटिश राज से आजादी के लिए संघर्ष के इतिहास को भुलानेध् मिटाने काए सुंदरीकरण तो सिर्फ एक तरीका हैए जिसे हमारे देश के मौजूदा शासकों द्वारा आजमाया जा रहा है। इसी इतिहास के कुछ दूसरे रंगों को और खासतौर गैर.हिंदुओं से संबंधित हिस्सों तो सीधे.सीधे खारिज करने या मिटाने का ही रास्ता अपनाया जा रहा है।

इसी कोशिश का एक उदाहरण हाल ही में मोदी राज में पूरी तरह से पुनर्गठित भारतीय अनुसंधान परिषद कीए एक तीन सदस्यीय समीक्षा कमेटी इसके निर्णय के रूप में सामने आया है कि पहले विश्व युद्घ के बाद के दौर में केरल के मालाबार के इलाके में भड़के ब्रिटिशविरोधी तथा जमींदारविरोधी विद्रोह के नेताओं समेतए जिन्हें ब्रिटिश हुकूमत द्वारा अपने खिलाफ बगावत करने के लिए मौत की सजा दी गई थीए 387 शहीदों के नामए श्डिक्शनरी ऑफ मार्टियर्सरू इंडियन फ्रीडम स्ट्रगल ;1857.1947द्धश् के पांचवें खंड से काट दिए जाएं। यानी उन्हें शहीदों से अपराधी बना दिया जाएए जिन्हें एक वैध शासन की हैसियत से ब्रिटिश शासन ने सजा दी थी! इसकी पृष्ठ्भूमि यह है कि स्वतंत्रता संघर्ष के इतिहास की ब्रिटिशविरोधी धार को भोथरा करने और उसके बहुधार्मिक स्वरूप को काटने की कोशिश में आरएसएस परिवार और उनकी वर्तमान भाजपायी सरकारए प्रमुखतरू मुस्लिम मोपला किसानों की बगावत होने के चलतेए जिसकी थोड़ी.बहुत आंच मालाबार के इलाके के हिंदू जमींदारों पर भी आई थीए मालाबार विद्रोह को हिंदूविरोधी आतंकवाद घोषित करने में लगे हुए हैं। जो ताकतें इस मीडिया युग मेंए नौ महीने से ज्यादा से राजधानी के बार्डरों पर जारी ऐतिहासिक किसान आंदोलन कोए खालिस्तानी या सिख आतंकवादी आंदोलन करार दे सकती हैंए उनके 1920 के दशक के किसान विद्रोह को जिसमें मुसलमान किसानों की प्रमुखता थीए हिंदूविरोधी आतंकवाद करार देने पर किसे अचरज होगा। अचरज नहीं कि अफगानिस्तान में ताबिलान की वापसी के बादए आरएसएस.भाजपा के एक प्रमुख श्बौद्धिकश् ने मोपला विद्रोह को बाकायदाए भारत में तालिबान राज कायम करने की पहली कोशिश ही करार दे दिया है। खुद स्वतंत्रता आंदोलन से सिरे से गायब ही रहे बल्कि वास्तव में सांप्रदायिक विभाजन को बढ़ाने के जरिएए स्वतंत्रता आंदोलन को कमजोर करते रहे और सांप्रदायिक बंटवारे की राजनीति के जरिएए मुस्लिम लीग की तरह ही ब्रिटिश राज की सेवा ही करते रहेए आरएसएस कुनबे काए स्वतंत्रता आंदोलन में मुसलमानों की मौजूदगी को छुपानेध् मिटाने की कोशिश करनाए स्वाभाविक है। इसीलिए ये ताकतेंए ब्रिटिश हुकूमत को युद्घ के मैदान में चुनौती देनेए एक से ज्यादा लड़ाइयों में हराने और अंततरू लड़ते.लड़ते युद्घ के मैदान में शहादत देने वालेए मैसूर के शेर टीपू सुल्तान की ब्रिटिशविरोधी भूमिका को नकारने की भीए तमाम कोशिशें करती आई हैं। लेकिनए दर्ज करने वाली खास बात यह है कि अब यह प्रक्रिया उस मुकाम पर पहुंच गई हैए जहां भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद नेए जो कि भारत में इतिहास शोध की शीर्ष अधिकारिक संस्था हैए खुद इस खेल का जिम्मा संभाल लिया है। हाल ही के ऐसे ही एक अन्य प्रसंग मेंए जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय मेंए जाहिर है कि उसके कुख्यात वीसी जगदेश कुमार की अगुआई मेंए इंजीनियरिंग के छात्रों के लिएए एसी तथा ईसी में कोई बहस कराए बिना हीए श्काउंटर टैररिज्मश् का एक नया कोर्स थोपा गया हैए जिसे खड़ा ही इस तरह के सरासर झूठे तथा सांप्रदायिक दावों के आधार पर किया गया है कि श्जेहादी आतंकवादश् ही श्तत्ववादी.धार्मिक आतंकवादश् का इकलौता रूप है! मौजूदा शासकों को खुश करने की कोशिश में इस पाठ्यक्रम के निर्माताओं को पड़ोस में श्रीलंका में दसियों वर्ष लड़ा लिट्टे तो दिखाई नहीं ही दियाए यह भी दिखाई नहीं दिया कि खुद भारत सरकारए कम से कम उत्तर.पूर्व में कई गैर.मुस्लिम ग्रुपों को आतंकवादी मानती है।

निजी और सरकारी स्कूल के बीच झूलते बच्चे

राजेन्द्र बंधु

कोविड के दौर में स्कूल खोलने या न खोलने की बहस के बीच आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के उन लाखों बच्चों की आवाज गुम हो गई है, जो सरकारी स्कूलों में प्रवेश के लिए मशक्कत कर रहे हैं। निजी स्कूलों की दो वर्षों की फीस के कर्ज में दबे ये बच्चे बगैर टीसी के स्कूल से बाहर हो चुके हैं और सरकारी स्कूलों में बगैर दस्तावेजों के प्रवेश लेना उनके लिए टेढ़ी खीर बन गया है । आमतौर पर निजी स्कूलों का उजला पक्ष ही प्रस्तुत किया जाता है , जिससे यह लगता है कि सरकारी स्कूल बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं दे पाएंगे। निजी स्कूलों के पक्ष में बने इसी वातवरण के चलते बस्तियों एवं गली – मोहल्लों में कई छोटे–छोटे निजी स्कूल संचालित हो रहे हैं, जो पहली से आठवीं कक्षा तक बच्चों को शिक्षा प्रदान करते हैं। इन स्कूलों की सालाना फीस 10 से 12 हजार रूपए तक होती है। यही कारण है कि 10 से 15 हजार रूपए प्रतिमाह आय वाले कई परिवार इन स्कूलों में बच्चों को दाखिला दिलाते हैं। किन्तु पिछले वर्ष मार्च माह में कोविड लाकडाउन के कारण इनमें से कई लोगों की नौकरियां चली गई। कोरोना की दूसरी लहर में भी कई लोगों ने अपना रोजगार खो दिया। इस संकट में उनके बच्चों की शिक्षा का रास्ता बेहद कठिन हो गया है। क्योंकि लाकडाउन के कारण वे पिछले सत्र की स्कूल फीस नहीं चुका पाए और अब उन पर इस वर्ष की भी स्कूल फीस बकाया हो गई है। इस तरह निजी स्कूल में एक बच्चे की शिक्षा जारी रखने के लिए उन्हें करीब 20 हजार रूपए चुकाने हैं। रोजगार खत्म होने की दशा में यह राशि चुकाना उनके लिए लगभग असंभव हो गया है। इस दशा में अब वे अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में प्रवेश दिलवाना चाहते हैं। इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि पिछले एक माह में इन्दौर के सरकारी प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों में प्रवेश लेने वाले बच्चों की संख्या में दुगनी से भी ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। पहले जिन स्कूलों में करीब 30 बच्चे प्रवेश लेते थे, वहीं अब 60 से 80 बच्चे प्रवेश ले रहे है। लेकिन सरकारी स्कूलों में इन बच्चों का प्रवेश आसान नहीं है। क्योंकि फीस नहीं देने के कारण निजी स्कूलों ने उन्हें टीसी एवं अंकसूची देने से इंकार कर दिया है, जबकि सरकारी स्कूलों में टीसी एवं पिछली कक्षा की अंकसूची मांगी जा रही है। इस दशा में ये बच्चे निजी और सरकारी स्कूलों के बीच झूल रहे हैं। हालांकि शिक्षा अधिकार कानून के मुताबिक 14 वर्ष तक के बच्चों को शिक्षा का अधिकार है और किसी भी दस्तावेज के अभाव में उन्हें शाला में प्रवेश से वंचित नहीं किया जा सकता। टीसी एवं मार्कशीट न होने की दशा में उम्र के आधार पर कक्षा में प्रवेश देने का प्रावधान है। किन्तु सरकारी स्कूलों के कई शिक्षकों को इस प्रावधान की जानकारी नहीं है। दरअसल निजी और सरकारी स्कूलों के बीच झूलते ये बच्चे मध्यप्रदेश सरकार के लिए आईना है, जिसने अगस्त 2020 के कोरोना काल में प्रदेश के ऐसे तेरह हजार सरकारी स्कूलों को बंद करने का फर्मान जारी किया था, जिनमें बच्चों की संख्या कम है। यह आश्चर्यजनक है कि सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के बजाय सरकार द्वारा स्कूलों को ही बंद कर दिया गया, जिसका खामियाजा कमजोर तबकों के बच्चों को उठाना पड़ेगा। दूसरी ओर इससे समाज में यह बात स्थापित होगी कि सरकारी स्कूल बेहद कमजोर है और सिर्फ निजी स्कूल ही बच्चों को बेहतर शिक्षा दे सकते हैं। जबकि जमीनी स्तर पर सचाई कुछ और ही है। यह सही है कि सरकारी स्कूलो में कई खामियां है। किन्तु यदि कुछ महंगे निजी स्कूलों को छोड़ दें तो ज्यादातर निजी स्कूलों में भी संसाधनों का अभाव है। इनकी तुलना में सरकारी स्कूलों में ज्यादा योग्य एवं प्रशिक्षित शिक्षक पदस्थ हैं। किन्तु यहां मैनेजमेंट, मॉनिटरिंग और नियमितता की कमी है। यदि इस कमी को सुधार लिया जाए ये स्कूल बेहतर साबित हो सकते हैं। कुछ वर्षों पहले हुए अध्ययन के निष्कर्ष यह साबित करते हैं कि यदि सरकारी स्कूलों को बेहतर कर दिया जाए तो लोगों को निजी स्कूलों में खर्च करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। सन् 2017 में शिक्षा के लिए जिला सूचना प्रणाली (डीआईएसई) और शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जिन राज्यों में सरकारी स्कूलों का काम अच्छा था, वहां निजी स्कूलों की तुलना में सरकारी स्कूलों में बच्चों का नामांकन बढ़ा है। केरल में 2014 में जहां 40.6 प्रतिशत बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते थे, वहीं 2016 में यह बढ़कर 49.9 प्रतिशत हो गया। उल्लेखनीय है कि पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश और कर्नाटक में सन् 2014 तक सरकारी स्कूलों ने निजी स्कूलों से बेहतर प्रदर्शन किया, किन्तु बाद के वर्षों में निजी स्कूलों को ज्यादा महत्व दिए जाने से उनका स्तर कमजोर होने लगा। कोरोना काल ने यह सबक सिखाया है कि समाज के आर्थिक रूप से कमजोर तबकों की शिक्षा सरकारी तंत्र के जरिये ही संभव हो सकती है। क्योंकि निजी स्कूलों की फीस न चुका पाने वाले प्रदेश के लाखों बच्चों की शिक्षा पर संकट खड़ा हो गया है, ऐसे में सरकार को इन बच्चों के दाखिलें सरकारी स्कूलों सुनिश्चित करने चाहिए। इसके साथ ही सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता बढ़ाने के उपाय तलाशे जाने चाहिए, जो कि कई राज्यों में संभव हो पाया। इससे हम न सिर्फ कोरोनाकाल में, बल्कि हर परिस्थिति में आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के बच्चों को बेहतर शिक्षा दे पाएंगे।

एमएम धोनी को मेंटोर बनाए जाने पर अजय जडेजा ने उठाए सवाल, पूछा- क्या नहीं है हेड कोच रवि शास्त्री पर भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप के लिए जब भारतीय टीम का ऐलान किया गया, तो जिस बात ने हर भारतीय फैन के चेहर पर मुस्कान बिखेरी वो था पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का सिलेक्शन। माही को यूएई और ओमान में खेले जाने वाले वर्ल्ड कप के लिए बतौर मेंटोर टीम में शामिल किया गया। कई पूर्व क्रिकेटर्स ने बीसीसीआई के इस कदम को सराहा और विराट कोहली की सेना को इससे फायदे मिलने की बात भी मानी। लेकिन, भारत के पूर्व बल्लेबाज अजय जडेजा ने धोनी को मेंटोर बनाए जाने पर कई सवाल खड़े किए हैं। जडेजा का कहना है कि टीम के हेड कोच रवि शास्त्री के रहते हुए ऐसा क्या हो गया कि कोहली को पूर्व कप्तान की जरूरत आन पड़ी।

'सोनी स्पोर्ट्स' के साथ बातचीत करते हुए जडेजा ने कहा, 'यह मेरे लिए समझना लगभग असंभव सा है। मैं यह दो दिन से सोच रहा हूं कि धोनी को मेंटोर बनाने की पीछे क्या सोच है। मैं धोनी की बात नहीं कर रहा हूं, उनके पास कमाल की समझ है और वह काफी उपयोगी भी साबित हो सकते हैं, मैं उस तरफ नहीं जा रहा हूं। यह रविंद्र जडेजा को रहाणे से ऊपर भेजने जैसा ही है, इंसान इसको लेकर सोचे कि आखिर यह हुआ क्यों। मैं सरप्राइज हूं। मेरे से बड़ा एमएम धोनी का फैन शायद ही कोई हो। मेरे मानना है कि धोनी ऐसे पहले कप्तान थे, जिन्होंने खुद जाने से पहले एक कैप्टन तैयार किया और वह अपने हिसाब से जरूरत पड़ने पर हमेशा चेंज करते रहते थे।'

पूर्व बल्लेबाज ने रवि शास्त्री के रहते हुए धोनी को मेंटोर बनाए जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'जब आपने बनाया और छोड़ दिया और उस प्लेयर ने टीम को अलग ही लेवल पर पहुंचाया, आपके पास ऐसा कोच है जिसने आपको वर्ल्ड नंबर वन बनाया तो रातों-रात ऐसा क्या हो गया कि मेंटोर की जरूरत पड़ गई? यह सोच ने मुझे थोड़ा सरप्राइज किया है।' धोनी के कप्तान रहते हुए ही शास्त्री टीम के साथ बतौर डायरेक्टर रहे थे और दोनों के बीच में काफी जमती भी है। 2016 टी-20 वर्ल्ड कप में धोनी टीम इंडिया के कप्तान थे तो रवि शास्त्री ने बतौर डायरेक्टर टीम को गाइड किया था।

बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने टॉप टीमों को किया चैलेंज, बोले-आईपीएल से टी20 वर्ल्ड कप में मिलेगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर खिलाड़ी शाकिब अल हसन ने आईपीएल 2021 और फिर टी20 वर्ल्ड कप से पहले इसमें भाग लेने वाली टीमों को कड़ी चेतावनी दी है। शाकिब ने कहा है कि उनकी टीम के अंदर अब जीत की मानसिकता आ गई है और वे अब सभी टीमों को कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार हैं। स्टार ऑलराउंडर ने आईपीएल को लेकर कहा कि इससे उनकी टीम के खिलाड़ियों को काफी फायदा होगा। बांग्लादेश ने हाल में टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से और न्यूजीलैंड को अपने घर में 3-2 से मात दी थी। हालांकि दोनों सीरीज में स्कोर कम बने हैं और शाकिब इसे लेकर चिंतित दिखाई दे रहे हैं।

डे ली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, शाकिब ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ' पिछले 9-10 मैचों में खेलने वाले लगभग सभी खिलाड़ी ऑफ फॉर्म में हैं। अगर कोई बल्लेबाज इन विकेटों पर 10-15 मैच खेलता है तो उसका करियर तबाह हो जाएगा। लेकिन हम इनके बारे में ज्यादा न पढ़ें। जो टीम में हैं उनमें देश के लिए जीतने की क्षमता है। हर कोई अपनी स्थिति से अपना बेस्ट कर रहा है। मुझे पूरा भरोसा है कि आईपीएल से सभी टीमों को फायदा होगा। हम यूएई की परिस्थितियों में मुकाबले खेलेंगे जहां पर टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन होना है। मुस्तफिजुर रहमान और मैं आईपीएल का अपना अनुभव बाकी खिलाड़ियों के साथ भी शेयर कर सकते हैं। हम दूसरे खिलाड़ियों के माइंडसेट के बारे में जानेंगे कि वो वर्ल्ड कप के बारे में क्या सोच रहे हैं और इसके बाद अपने खिलाड़ियों को उसके बारे में बताएंगे।'

टी20 वर्ल्ड कप में सुपर 12 में जगह बनाने से पहले बांग्लादेश को क्वालीफायर खेलना होगा। टी20 वर्ल्ड कप शुरुआत राउंड 1 से होगी और पहला मैच 17 अक्टूबर को मेजबान ओमान और पापुआ न्यू गिनी के बीच खेला जाएगा। पहले राउंड में 8 टीमें सुपर 12 में जगह बनाने के लिए खेलेंगीं। सुपर 12 में दो ग्रुप 1 और 2 होंगे। बांग्लादेश की टीम 17 अक्टूबर को स्कॉटलैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबले से टी20 वर्ल्ड कप में अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

अजिंक्य रहाणे की हो छुट्टी तो कौन संभाले भारतीय टेस्ट टीम की उपकप्तानी, इयान चैपल ने खिलाड़ी पर लगाया दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरे इंग्लैंड दौरे पर जिस तरह से अजिंक्य रहाणे का बल्ला टेस्ट सीरीज में खामोश रहा, उसके बाद भारतीय टीम के उपकप्तान को टेस्ट टीम से हटाने की मांग की जा रही है। कई पूर्व क्रिकेटर्स का तो यहां तक कहना है कि इस सीरीज में फ्लॉप शो के बाद रहाणे के करियर का अंत भी हो सकता है।

अगर कप्तान विराट कोहली रहाणे को टेस्ट टीम से बाहर का रास्ता दिखाते हैं तो विराट का अगला डिप्टी कौन होगा यह बड़ा सवाल है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल का मानना है कि इंग्लैंड दौरे पर बल्ले से यादगार प्रदर्शन करने वाले रोहित शर्मा इस पद के लिए एकदम सही विकल्प होंगे। 'ईएसपीयन क्रिकइंफो' के साथ बातचीत करते हुए इयान चैपल ने कहा, 'अश्विन और हार्दिक पांड्या को एकसाथ खिलाने का यही नुकसान है कि विराट को रहाणे से सलाह

नहीं मिलेगी और रहाणे की स्लीप फील्डिंग स्पिनर्स मिस करेंगे। हालांकि, रोहित शर्मा अब एक बेहद मंजे हुए कप्तान हैं और वह उपकप्तानी के रोल को काफी अच्छे से निभा सकते हैं।' चैपल ने अश्विन को भारत के प्लेइंग इलेवन में शामिल करने की वकालत की। उन्होंने कहा, 'भारत के बेस्ट कॉम्बिनेशन में अश्विन की जगह बनती है। वह हर परिस्थिति में एक काबिल गेंदबाज हैं और वह इस चीज को ऑस्ट्रेलिया में साबित भी कर चुके हैं। तो भारत को उनको प्लेइंग इलेवन में शामिल करने का तरीका खोजना चाहिए।

भारतीय बैटिंग ऑर्डर में नंबर पांच की पोजीशन के लिए पूर्व कंगारू कप्तान ने हार्दिक पांड्या को पहली पसंद बताया। उन्होंने कहा, 'मिडिल ऑर्डर में दाएं और बाएं हाथ के बल्लेबाज का कॉम्बिनेशन बैठाने के चक्कर में टीम इंडिया ने रविंद्र जडेजा को उतार दिया था। इस नंबर के लिए आइडियल प्लेयर हार्दिक पांड्या हैं, लेकिन उनके पास शार्दुल ठाकुर के रूप में दूसरी चॉइस भी है। यही इस टीम की सबसी बड़ी ताकत है। उनके पास काफी गहराई मौजूद है।

टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया में जगह ना मिलने पर बिना बोले बहुत कुछ कह गए शिखर धवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया में शामिल नहीं किया गया है। श्रीलंका के खिलाफ लिमिटेड ओवरों की सीरीज में शिखर धवन को कप्तान बनाया गया था। इसके बाद हर कोई उन्हें टीम में ना चुने जाने पर हैरान थे। शिखर धवन इन दिनों यूएई में है। वो आईपीएल 2021 के दूसरे हाफ में धमाल मचाने को तैयार है। आईपीएल 2021 के पहले हाफ में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। आईपीएल 2021 के दूसरे हाफ का आगाज 19 सितंबर से होगा। शिखर धवन ने क इंस्टाग्राम स्टोरी में अपनी एक फोटो शेयर की है। इसमें उन्होंने लिखा,'हंसते रहिए क्योंकि यही आप की सबसे बड़ी ताकत है।' शिखर धवन के इस रिएक्शन को उनके तलाक और टी-20 वर्ल्ड कप में नाम होने की प्रतिक्रिया समझा जा सकता है। शिखर धवन का हाल ही में तलाक हुआ था। उनकी वाइफ आयशा मुखर्जी ने सोशल मीडिया में इसकी जानकारी दी थी। आईपीएल के पहले हाफ में शिखर धवन ने 8 मैचों में 54.28 की औसत से 380 रन बनाए थे। आईपीएल 2020 की उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स 22 सितंबर को सनराइजर्स हैदराबाद के साथ मुकाबले से आईपीएल 2021 के दूसरे हाफ में अपने अभियान का आगाज करेगी। प्वॉइंट टेबल में इस समय दिल्ली कैपिटल्स टॉप पर है। उसके बाद दूसरे नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स और तीसरे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर है। श्रेयस अय्यर की वापसी से दिल्ली की टीम और अधिक मजबूत दिख रही है।

आखिरी क्यों टीम इंडिया के लिए इतने स्पेशल हैं जसप्रीत बुमराह, आशीष नेहरा ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। मैदान चाहे ऑस्ट्रेलिया के हों या फिर इंग्लैंड के, जसप्रीत बुमराह को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। भारत का यह तेज गेंदबाज किसी भी पिच पर और दुनिया के बड़े से बड़े बल्लेबाज का स्टंप उखाड़ना बखूबी जानता है। नई गेंद को हवा में लहराना हो या फिर पुरानी बॉल से रिवर्स स्विंग कराना बुमराह महज 27 साल की उम्र में हर चीज में मास्टर हो चले हैं। इंग्लैंड की सरजमीं पर खेली गई टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया के फास्ट बॉलर ने जमकर कहर बरपाया और 4 मुकाबलों में 18 विकेट अपने नाम किए। यही वजह है कि आशीष नेहरा बुमराह की गेंदबाजी के कायल हो गए हैं। नेहरा ने बताया है कि बुमराह कैसे बाकी गेंदबाजों से अलग हैं और क्यों वह विराट कोहली के लिए इतने स्पेशल हैं।

'सोनी स्पोर्ट्स' के साथ बातचीत करते हुए नेहरा ने कहा, 'सबसे जरूरी चीज जो मेरे लिए हैं कि बुमराह अपनी गलतियों को दोहराते नहीं हैं। अगर आप उनके आंकड़े देखेंगे, पहले मैच में उन्होंने तकरीबन पांच विकेट लिए और नॉर्टिंघम में 7 से 8 बल्लेबाजों को चलता किया, लेकिन इसके बाद ऐसा नहीं है कि बुमराह ने सीरीज में 30 विकेट चटकाए। उनको ओड टेस्ट में विकेट भी नहीं मिले, लेकिन उन्होंने जिस तरह से कमबैक किया वह शानदार था। वह जानते हैं कि उनको कब एफर्ट लगाने की जरूरत है।' बुमराह ने ओवल टेस्ट मैच में अपने छह ओवर के स्पैल में मैच पलटकर रख दिया था और जॉनी बेयरस्टो को यॉर्कर पर क्लीन बोल्ड करके खूब वाहवाही लूटी थी।

नेहरा ने बुमराह की तुलना एंडरसन के साथ करते हुए कहा, 'जिम्मी एंडरसन के पास काफी अनुभव मौजूद है। बुमराह वो गेंदबाज नहीं हैं जिन्होंने 100 टेस्ट मैच खेल लिए हों। बुमराह की सबसे बड़ी ताकत यह है कि काफी तेजी से सीखते हैं और ये सबसे बड़ा एक्स फैक्टर है। बुमराह ने भले ही दो विकेट लिए, लेकिन जिस तरह से मैच चल रहा था और जिस तरह से उन्होंने वह स्पैल फेंका उसके बाद इंग्लैंड के पास मुकाबले में कमबैक करना का कोई चांस नहीं रहा। ऐसी बातें चल रही थी कि पिच बैटिंग फ्रेंडली है, लेकिन जिस तरह से उन्होंने टेस्ट मैचों में यॉर्कर डाली उससे बुमराह ने पिच की गणना को ही बाहर कर दिया।'

भारत के मौजूदा बैटिंग लाइनअप को बेस्ट नहीं मानते शेन वॉर्न, कहा- सचिन-गांगुली, द्रविड़ और लक्ष्मण वाली बात नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज स्पिनर शेन वार्न को लगता है कि मौजूदा भारतीय टेस्ट बल्लेबाजी क्रम प्रभावशाली है लेकिन ये भारतीय बल्लेबाज के गोल्डन युग के के करीब नहीं है। इस बल्लेबाजी लाइन-अप में वीरेंद्र सहवाग, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और वीवीएस लक्ष्मण शामिल थे। उन्होंने कहा कि इन पांचों बल्लेबाजों ने दुनिया भर के गेंदबाजी आक्रमण पर दबदबा बनाया। वॉर्न ने इनके खिलाफ काफी क्रिकेट खेला। वॉर्न ने स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा,' 'उनकी बल्लेबाजी कहीं भी द्रविड़, गांगुली, लक्ष्मण, तेंदुलकर, सहवाग जितनी मजबूत नहीं है। विराट कोहली ग्रह पर सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। अगर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज नहीं भी हैं तो सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल जरूर हैं। लेकिन जब आप टॉप 5 में सहवाग, गांगुली, द्रविड़, लक्ष्मण, तेंडुलकर को देखते हैं, तो वह अलग बात थी। तो मुझे नहीं लगता क आप

यह कह सकते तो कि कोहली की टीम सर्वश्रेष्ठ भारतीय बल्लेबाजी टीम है।'

वॉर्न को लगता है कि कप्तान कोहली, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत शानदार हैं। लेकिन भारत के आगे रहने की वजह तेज गेंदबाजी आक्रमण है। उन्होंने कहा,'विराट कोहली और रोहित शर्मा दो असाधारण खिलाड़ी हैं और मुझे लगता है कि ऋषभ पंत सुपरस्टार बनने की राह पर हैं। लेकिन मुझे लगता है कि ये उनके तेज गेंदबाज हैं जिन्होंने भारतीय टीम को न सिर्फ भारत बल्कि हर परिस्थिति में जीत के काबिल बनाया है।'

पांचवें टेस्ट रद्द होने पर भड़के जेम्स एंडरसन, मैच रिशेड्यूल होने की जताई उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच रद्द होने के बाद से इंग्लिश खेमा विराट कोहली की टीम से खफा है। इंग्लैंड के कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ी इसको लेकर भारतीय टीम की आलोचना भी कर चुके हैं और टेस्ट कैंसिल होने के पीछे आईपीएल को जिम्मेदार भी ठहरा रहे हैं। खबरें ऐसी भी सामने आई कि इंग्लैंड के कुछ खिलाड़ियों को टीम इंडिया का यह रवैया पसंद नहीं आया और उन्होंने इसी वजह से आईपीएल 2021 से अपना नाम तक वापस ले लिया। इसी कड़ी में अब इंग्लैड के अनुभवी गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने भी इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लिखकर अपना गुस्सा जाहिर किया है। इंग्लिश फास्ट बॉलर ने कहा कि यह बेहद शर्म की बात है कि इंटरनेशनल क्रिकेट के समर का अंत इसी तरह से हुआ। एंडरसन ने अपने इंस्टाग्राम पर मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान की फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'यह काफी शर्म की बात है कि इंटरनेशनल क्रिकेट के समर का इस तरह से अंत हुआ। मैं लंकाशायर क्रिकेट के लिए निराश हूं और उन फैन्स के लिए भी जिन्होंने टिकट, ट्रेन, होटल के लिए पैसा चुकाया और दोनों साइड के सपोर्टस के लिए भी जो अंत देखना चाहते थे जिसकी यह सीरीज हकदार थी। मैं उम्मीद करता हूं कि यह मैच किसी समय पर दोबारा खेला जाएगा और मुझे अपने होम ग्राउंड पर जिससे मैं बहुत प्यार करता हूं वहां एक और इंटरनेशनल मैच खेलने को मिलेगा। जेम्स एंडरसन का प्रदर्शन इस सीरीज में गेंद से बेहद शानदार रहा और उन्होंने 4 मैचों में 15 विकेट अपने नाम किए। गौरतलब है कि टीम इंडिया के जूनियर फिजियो योगेश परमार के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद टीम इंडिया के खेमे में हड़कंप मच गया था। कोहली की टीम ने मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन कोरोना के फैलने के डर से मैदान पर उतरने से इनकार कर दिया था।

पैरालंपिक में गोल्ड जीतने वाले खिलाड़ी ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को दिया अपनी सफलता का क्रेडिट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पैरालंपिक खेलों के गोल्ड मेडलिस्ट बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने खेल के दौरान अपने शांत और एकाग्र व्यवहार का श्रेय भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर

को देते हुए कहा कि उन्हें इस दिग्गज क्रिकेटर की खेल भावना और शानदार व्यवहार से प्रेरणा मिली। मौजूदा विश्व चैंपियन भगत ने पिछले सप्ताह टोक्यो पैरालंपिक के एसएल 3 वर्ग के फाइनल में ब्रिटेन के डेनियल बेथेल पर सीधे गेम में जीत के साथ भारत का पहला (बैडमिंटन में) पैरालंपिक गोल्ड मेडल जीता। चार साल की उम्र में पोलियो से ग्रसित होने वाले 33 साल के इस भारतीय ने फाइनल के दूसरे सेट में आठ अंक से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की थी।

भगत ने समाचार एजेंसी पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ' मैं बचपन में क्रिकेट खेला करता था। उस दौरान हम दूरदर्शन पर क्रिकेट देखते थे और मैं हमेशा सचिन तेंदुलकर के शांत और एकाग्र व्यवहार से प्रभावित होता था। परिस्थितियों से निपटने के उनके तरीके का मुझ पर बहुत प्रभाव पड़ा। मैं उनका अनुसरण करने लगा। उनकी खेल भावना ने मुझे बहुत प्रभावित किया।

हॉकी इंडिया ने सीनियर महिला नेशनल कैंप के लिए 25 खिलाड़ियों का चयन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने सोमवार से शुरू होने वाले सीनियर महिला नेशनल कोचिंग कैंप के लिए रविवार को 25 खिलाड़ियों का चयन किया, जिसमें टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने वाली राष्ट्रीय टीम की सदस्य भी शामिल हैं। इन 25 संभावित खिलाड़ियों में गगनदीप कौर, मारियाना कुजुर, सुमन देवी थौडाम और महिमा चौधरी शामिल हैं जिन्हें जूनियर से सीनियर कोर ग्रुप में लाया गया है।

अनुभवी खिलाड़ी लिलिमा मिंज, रश्मिता मिंज, ज्योति राजविंदर कौर और मनप्रीत कौर को भी शिविर के लिये बुलाया गया है। हॉकी इंडिया ने एक बयान में कहा, ' कोर ग्रुप 12 सितंबर रविवार को राष्ट्रीय शिविर के लिए रिपोर्ट करेगा जिसमें ओलंपिक खेल टोक्यो

2020 में हिस्सा लेने वाले भारतीय दल की 16 खिलाड़ी भी शामिल हैं और यह 20 अक्टूबर 2021 को समाप्त होगा। सलीमा टेटे, लालरेमसियामी और शर्मिला ओलंपिक टीम का हिस्सा थीं, वे बेंगलुरू के भारतीय खेल प्राधिकरण में उसी परिसर में चल रहे जूनियर भारतीय महिला टीम के राष्ट्रीय कोचिंग शिविर से जुड़ेंगी। बीचू देवी खारीबाम भी ओलंपिक कोर ग्रुप का हिस्सा थीं और वह जूनियर राष्ट्रीय शिविर से जुड़ेंगी। जूनियर कोर ग्रुप इस समय सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिता एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप की तैयारियों में जुटा है जिसका आयोजन इस साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका में किया जाएगा।'

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोम्बाम ने कहा, ' खिलाड़ियों के लिए टोक्यो में अभियान निराशाजनक तरीके से समाप्त हुआ क्योंकि वे पदक के इतने करीब होते हुए भी दूर थीं। लेकिन खिलाड़ियों को पिछले कुछ हफ्तों में जो प्यार और समर्थन मिला है, वो शानदार है और इससे वे बेहतर करने के लिये प्रोत्साहित हुई हैं। अगले 10 सालों तक ओडिशा सरकार के भारतीय हॉकी टीमों का प्रायोजक बने रहने पर खिलाड़ियों ने कुछ ऐसे किया रिएक्ट

कोर संभावित ग्रुप : सविता, रजनी इतिमारपू, दीप ग्रेस एक्का, रीना खोखर, मनप्रीत कौर, गुरजीत कौर, निशा, निक्की प्रधान, मोनिका, नेहा, लिलिमा मिंज, सुशीला चानू पुखराम्बाम, नमिता टोप्पो, रानी, वंदना कटारिया, नवजोत कौर, नवनीत कौर, राजविंदर कौर, उदिता, रश्मिता मिंज, ज्योति, गगनदीप कौर, मारियाना कुजुर, सुमन देवी थौडाम और महिमा चौधरी।

यूपी चुनाव से पहले बीजेपी सांसद वरुण गांधी का सीएम योगी को लेटर

किसानों को खुश करने वाले खत से सरकार पर बढ़ेगा दबाव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद वरुण गांधी ने उत्तर प्रदेश के किसानों को राहत देने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेटर लिखकर कई तरह की मांगें रखी हैं। रविवार को लिखे इस खत में वरुण गांधी ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि गन्ने की कीमतों में अच्छी वृद्धि की जाए, गेहूं और धान की फसल पर बोनस दिया जाए, पीएम किसान योजना में मिलने वाली राशि को दोगुना कर दिया जाए और डीजल पर सब्सिडी दी जाए। वरुण गांधी का यह खत किसानों को जरूर खुश कर सकता है, लेकिन योगी सरकार की मुश्किलें बढ़

सकती हैं। माना जा रहा है कि वरुण के इस लेटर के सहारे विपक्ष के साथ किसान संगठन भी योगी सरकार पर दबाव बढ़ा सकते हैं। यूपी से तीन बार के सांसद वरुण गांधी किसानों से बातचीत की पैरवी भी करते आ रहे हैं। पीलीभीत से सांसद वरुण ने योगी को लिखे दो पन्ने के लेटर में किसानों की सभी समस्याओं, उनकी मांगों का जिक्र करते हुए उनके समाधान भी सुझाए हैं। वरुण गांधी ने सलाह दी है कि गन्ने का मूल्य 400 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया जाए, जोकि अभी 315 रुपए प्रति क्विंटल है।

गन्ना मुख्यतौर पर पश्चिमी यूपी में उगाया जाता है, जो केंद्र सरकार के नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों का केंद्र भी है। वरुण गांधी ने कहा है कि किसानों को गेहूं और धान पर 200 रुपए प्रति क्विंटल की दर से एमएसपी पर अतिरिक्त बोनस मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी मांग रखी है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत मिलने वाली राशि को 6 हजार से बढ़ाकर 12 हजार रुपए कर दिया जाए। केंद्र की तरह राज्य सरकार भी 6 हजार रुपए सालाना दे।किसानों की समस्याएं गिनाते हुए वरुण गांधी ने बिजली और डीजल की ऊंची कीमत का जिक्र किया। उन्होंने यूपी के सीएम से अपील की है कि किसानों को डीजल पर प्रति लीटर 20 रुपए की सब्सिडी दी जाए और बिजली की कीमत कर दी जाए। वरुण गांधी ने योगी आदित्यनाथ के सामने ये मांगें ऐसे समय पर रखी हैं, जब अगले साल यूपी में विधानसभा चुनाव होने जा रहा है तो 5 सितंबर को कई किसान संगठनों ने मुजफ्फरनगर में महापंचायत की है।

403 सीटों पर लड़ने का ऐलान करने के एक दिन बाद ही शिवेसना का यूटर्न, राउत बोले- 100 सीटों पर उतारेंगे उम्मीदवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में 25 सालों तक भाजपा की दोस्त रही शिवसेना ने अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। हालांकि, शिवसेना कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी इसे लेकर उहापोह की स्थिति बन गई है। एक ओर जहां शिवसेना की उत्तर प्रदेश की कार्यकारिणी की बैठक में यह फैसला लिया गया कि पार्टी यूपी की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, वहीं दूसरी ओर शिवसेना सांसद और प्रवक्ता संजय राउत ने कहा है कि पार्टी महज 100 सीटों पर ही चुनाव लड़ेगी। शिवसेना सांसद संजय राउत ने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा कि हम उत्तर प्रदेश की कुल 403 सीटों में से करीब 100 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। वहीं गोवा में हम 20 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और गठबंधन भी कर सकते हैं। गुजरात में विजय रूपाणी के इस्तीफे पर जब उनसे पूछा गया तो राउत ने कहा कि यह उनका आंतरिक मामला है। शिवसेना

सांसद संजय राउत की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है, जबकि एक दिन पहले ही शिवसेना की यूपी विंग ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। शिवसेना प्रदेश कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया था कि पार्टी सभी 403 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। अब ऐसे में सवाल उठता है कि शिवसेना आखिरकार फाइनली कितनी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। यूपी में जंगलराज बताते हुए पार्टी ने कहा था कि शिवसेना सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारकर बीजेपी को सभी सीटों पर सबक सिखाएगी। पार्टी ने सभी विधानसभाओं में संगठन को मजबूत करने के लिए कोऑर्डिनेटर नियुक्त करने की बात कही है। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि जल्द ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को चुनाव और संगठन की रिपोर्ट सौंपी जाएगी। इतना ही नहीं, पार्टी ने यह भी कहा है कि यूपी में शिवसेना का किसी पार्टी के साथ गठबंधन भी हो सकते हैं। बता दें कि अगले साल यूपी में विधानसभा चुनाव होने हैं।

जम्मू-कश्मीरः आतंकवादी ने पुलिसकर्मी के सिर में पीछे से मारी गोली, कैमरे में कैद दहशतगर्द का कायराना हमला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी में रविवार को एक आतंकवादी ने कायराना हमले में पुलिसकर्मी को शहीद कर दिया। श्रीनगर के खानयार इलाके में आतंकवादी ने बेहद करीब से गोली मार दी और भाग गया। उसकी कायराना हरकत सीसीटीवी में कैद हो गई है। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी करके आतंकी की तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादी ने प्रोबेशनरी सब-इंस्पेक्टर अर्शद अहमद मीर को पीछे से गोली मारकर घायल कर दिया। घायल अधिकारी को सौरा के एसकेआईएमएस अस्पताल ले जाया गया लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब एक बजकर 35 मिनट पर हुई। यह घटना सीसीटीवी में कैद हुई है और फुटेज में आतंकवादी खानयार बाजार में पीछे से बेहद करीब से अधिकारी को दो बार गोली मारते हुए दिखा है। वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि पुलिसअधिकारी के हाथ में कोई हथियार नहीं है और वह टहलते हुए जा रहे हैं। अचानक पीछे से आकर आतंकी उनपर गोलियां बरसा देता है। लोग डरकर इधर-उधर भागने लगते हैं। इस बीच एक कुत्ता आतंकी के पीछे भागता हुआ दिखता है।

अरविंद केजरीवाल फिर चुने गए 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक, पंकज गुप्ता सचिव और एनडी गुप्ता होंगे कोषाध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरविंद केजरीवाल फिर चुने गए 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक, पंकज गुप्ता सचिव और एनडी गुप्ता होंगे कोषाध्यक्ष

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रविवार को लगातार तीसरी बार आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक चुने गए। रविवार को हुई 'आप' की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के तौर पर केजरीवाल के नाम को मंजूरी दी गई। वहीं, पार्टी नेता पंकज गुप्ता फिर से राष्ट्रीय सचिव और एनडी गुप्ता को फिर से राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चुने गए हैं। आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय परिषद ने शनिवार को 34 सदस्यीय कार्यकारी निकाय का चुनाव किया था, जिसमें केजरीवाल भी शामिल थे। जानकारी के अनुसार, अप्रैल 2016 में केजरीवाल दूसरी बार पार्टी के

राष्ट्रीय संयोजक चुने गए थे। राष्ट्रीय संयोजक के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने 3 साल तक पार्टी की सेवा की, लेकिन 2019 में लोकसभा चुनाव और 2020 में दिल्ली विधानसभा चुनाव को देखते हुए अरविंद केजरीवाल का कार्यकाल 2020 तक बढ़ा दिया गया। 2020 में कोरोना महामारी के कारण 'आप' की राष्ट्रीय परिषद की बैठक नहीं हो सकी थी।जनवरी 2021 में हुई राष्ट्रीय परिषद की बैठक में पार्टी के संविधान में संशोधन किया गया। इस संशोधन में राष्ट्रीय संयोजक का कार्यकाल 3 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष कर दिया गया। उस समय जो संशोधन किया गया था, उसमें राष्ट्रीय संयोजक को दो कार्यकाल तक के लिए नियुक्त करने की बाध्यता को समाप्त कर दिया गया था।

गौरतलब है कि शनिवार को हुई राष्ट्रीय परिषद की बैठक में चुने गए पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के 34 सदस्यों ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में केजरीवाल के चुनाव को मंजूरी दी। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पास पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक का चुनाव करने का अधिकार है। इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने रविवार सुबह अरविंद केजरीवाल को फिर से राष्ट्रीय संयोजक चुन लिया। अब अरविंद केजरीवाल अगले 5 साल तक आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक होंगे। 'आप' की राष्ट्रीय परिषद ने शनिवार को 34 सदस्यीय कार्यकारी निकाय का चुनाव किया, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शामिल हैं। पार्टी के एक सूत्र ने कहा कि बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित 34 नेताओं के नाम चुनाव के लिए परिषद के सदस्यों के सामने रखे गए थे।

तमिलनाडु में नीट पास न कर पाने के डर से छात्र ने की आत्महत्या

सलेम (तमिलनाडु) (एजेंसी)। तमिलनाडु के सेलम से एक दुखद घटना समाने आई है जिसमें मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा (नीट) परीक्षा पास नहीं कर पाने के भय से एक लड़के ने कथितौर से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि पीड़ित लड़के की पहचान धनुष के रूप में हुई है। वह राज्य के मेट्टूर जिले के कूलाइयुर में आज सुबह नीट परीक्षा के शुरू होने से पहले घर में मृत पाया गया। धनुष ने वर्ष 2019 में बारहवीं की परीक्षा पास की थी और वह पिछले दो साल से नीट परीक्षा पास करने का प्रयास कर रहा था। धनुष कल देर रात तक अपने तीसरे प्रयास के लिए परीक्षा की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने कहा आज सुबह जब उसके माता-पिता उसे जगाने के लिए कमरे में आए तो उसे मृत पाया गया। इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुची और उन्होंने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेट्टूर सरकारी अस्पताल भेजा। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने धनुष की आत्महत्या पर दुख व्यक्त किया और कहा कि तमिलनाडु को नीट के दायरे से स्थायी रूप से मुक्त करने की मांग वाला एक प्रस्ताव कल विधानसभा सत्र के अंतिम दिन पेश किया जाएगा और पारित किया जाएगा तथा इसके लिए राष्ट्रपति की सहमति लेनी होगी। तमिलनाडु को नीट परीक्षा से छूट नहीं देने के लिए केंद्र सरकार पर अड़यिल रवैये अपनाने का आरोप लगाते हुए सीएम स्टालिन ने कहा कि इस संबंध में कानूनी संघर्ष शुरू हो गया है और उम्मीद जताई कि इसमें उनकी विजय होगी। द्रमुक ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में नीट परीक्षा को खत्म करने का वादा किया था। अन्नाद्रमुक सह समन्वयक एवं पूर्व मुख्यमंत्री इडाप्पडी पलानीस्वामी ने पीड़ित लड़के के आवास में जाकर उसे श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

बेल देने से पहले जांचा जाए आरोपी का रिकॉर्ड, गंभीर अपराध का रिस्क : एससी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अदालतों को बेल देने से पहले आरोपी के पुराने रिकॉर्ड की जांच करनी चाहिए कि क्या उसका रिकॉर्ड खराब है और जमानत पर बाहर रहने के दौरान गंभीर अपराध कर सकता है। न्यायमूर्ति धनंजय वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा हत्या और आपराधिक साजिश के मामले का सामना कर रहे एक व्यक्ति को दी गई जमानत को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। पीठ ने कहा- जमानत याचिकाओं पर फैसला करते समय आरोप की प्रकृति और सबूत भी महत्वपूर्ण कारक हैं। अपने पहले के फैसलों का जिक्र करते हुए, पीठ ने कहा कि जमानत से इनकार करने से स्वतंत्रता का हनन दंडात्मक उद्देश्यों के लिए नहीं है, बल्कि न्याय के द्विपक्षीय हितों के लिए है।

म्यांमार में फिर सेना और नागरिकों में छिड़ी हिंसा, सैकड़ों लोग भागकर मिजोरम पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यांमार में सेना के साथ बढ़ते संघर्ष के बीच देश के सैकड़ों नागरिक सीमा से सटे भारतीय राज्य मिजोरम के दो जिलों में आ गए हैं। मिजोरम सरकार ने इसकी जानकारी दी है। मिजोरम के गृह मंत्री लालचमलियाना ने कहा कि फिलहाल सटीक आंकड़े नहीं पता कि आखिर कितने म्यांमारी राज्य में प्रवेश कर चुके हैं। गृह मंत्री ने कहा, 'बीते कुछ दिनों में म्यांमार के सैकड़ों नागरिक मिजोरम में घुसे हैं। लेकिन मुझे सटीक संख्या नहीं पता क्योंकि फिलहाल मैं क्वॉरंटीन में हूं।' खबरों के मुताबिक, मिजोरम से सटे म्यांमार के इलाकों में सशस्त्र नागरिकों और सेना के बीच भीषण संघर्ष जारी है। अब हिंसा से भागने की कोशिश में म्यांमार के नागरिक मिजोरम में आ रहे हैं।

इस साल मार्च से ही म्यांमार के हजारों नागरिक, खासतौर पर भारत से सटे इलाकों में रहने वाले, मिजोरम में घुस चुके हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, मौजूदा समय में करीब 10 हजार म्यांमारी नागरिक पूर्वोत्तर के राज्य में रह रहे हैं। मिजोरम के चीफ सेक्रटरी लालननमाविया शुआंगो ने कहा, 'हाल के दिनों में ठीक सीमा से सटे इलाकों में भीषण युद्ध जारी है। इसकी वजह से भारी संख्या में म्यांमार के नागरिक मिजोरम में घुस रहे हैं। ये लोग राज्य के चंपाई और नहथियाल जिलों में शरण ले रहे हैं। मुझे लगता है कि जैसे ही स्थिति ठीक होगी, वे वापस चले जाएंगे।'

बता दें कि मिजोरम और म्यांमार के बीच 510 किलोमीटर लंबी सीमा है। मिजोरम में घुसने वाले अधिकांश रिफ्यूजी म्यांमार के चिन राज्य से आते हैं जिसकी सीमा मिजोरम के छह जिलों- चंपाई, नहथियाल, सरचिप, सैतुअल, सियाहा और लॉन्गालाई से लगती है। मिजोरम और चिन के बीच जातीय समानताएं भी हैं।

केरल में 20 हजार से ज्यादा नए मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कोरोना के नए मामलों में तीन दिनों से मामूली गिरावट दर्ज की जा रही है। देश के बाकी राज्यों की अपेक्षा केरल में कोरोना के नए मामलों में अभी कमी नहीं आ रही है। अकेले केरल में रोजाना 20 हजार से ज्यादा कोरोना के नए मामले सामने आ रहे हैं। रविवार शाम को जारी हुए केरल के स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार राज्य में पिछले 24 घंटों के अंदर कोरोना के 20,240 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 29,710 लोग कोरोना के संक्रमण से ठीक हुए हैं और 67 लोगों की इससे मौतें हुईं हैं। राज्य के आंकड़ों के अनुसार केरल में अभी कोरोना के 2 लाख 22 हजार 255 (2,22,255) सक्रिय मामले हैं। राज्य में अब तक 41 लाख 30 हजार 065 (41,30,065) लोग इस बीमारी से ठीक हो चुके हैं। कोरोना के चलते राज्य में अब

तक 22,551 लोगों ने अपनी जान गंवाई है।वहीं, आंध्र प्रदेश में पिछले 24 घंटों के अंदर 1,190 नए कोरोना के नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान राज्य में कोरोना के चलते 11 मौतें दर्ज की गईं। इसके साथ ही राज्य में कोरोना के कुल मामलों की संख्या 20 लाख 29 हजार 985 (20,29,985) हो गई है। आंध्र प्रदेश में कोरोना के कुल सक्रिय मामलों की संख्या 15,110 है।

महाराष्ट्र में रविवार को कोरोना के 3,623 नए मामले सामने आए जिसके बाद कुल मामले बढ़कर 64 लाख 97 हजार 877 (64,97,877) हो गए। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बताया गया कि महामारी से 46 और मरीजों की मौत हो गई जिससे मृतकों की संख्या 1 लाख 38 हजार 142 (1,38,142) पर पहुंच गई। वहीं, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में रविवार को 354 नए कोरोना के मामले और 7 मौतें दर्ज की गईं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मुंबई में 188 लोग इस बीमारी से उबर चुके हैं। इसके साथ ही राज्य का रिकवरी रेट 97 फीसदी हो गया है। शहर में कुल कोरोना संक्रमित मामलों की संख्या 7 लाख 35 हजार 506 (73,5056) है। साथ ही 4,823 कोरोना के सक्रिय मामले बने हुए हैं।इधर, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामलों में कमी देखी जा रही है। रविवार को दिल्ली में पिछले 24 घंटों के अंदर कोरोना के 22 मामले दर्ज किए गए और 44 लोग इस बीमारी से ठीक भी हुए। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना के कुल मामलों की संख्या 14 लाख 38 हजार 233 हो गई है। 14 लाख 12 हजार 760 (14,12,760) लोग दिल्ली में अब तक कोरोना से ठीक हो चुके हैं। वर्तमान में दिल्ली में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 390 है।

पाकिस्तान की आधी से अधिक आबादी तालिबान शासन के पक्ष में, सर्वे में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की आधी से अधिक आबादी अफगानिस्तान में तालिबान शासन के पक्ष में है। शोध संगठन गैलप इंटरनेशनल एसोसिएशन से संबद्ध गैलप पाकिस्तान के एक सवेर्क्षण में इस तथ्य का खुलासा हुआ है। सवेर्क्षण के तहत 2400 से अधिक लोगों से तत्संबंध में राय ली गयी और उनसे पूछा गया कि क्या आप अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के गठन से खुश हैं? निष्कर्ष के मुताबिक तालिबान शासन को लेकर 55 प्रतिशत पाकिस्तानियों ने कहा कि वे खुश हैं और 25 प्रतिशत लोगों ने नाखुशी जतायी जबकि 20 प्रतिशत ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की। प्रांत-वार विश्लेषण में पाया गया कि तालिबान सरकार के लिए सबसे अधिक समर्थन खैबर-पख्तूनख्वा के 65 प्रतिशत लोगों ने जताया । इसके बाद बलूचिस्तान से 55 फीसदी और पंजाब एवं सिंध से 54 फीसदी लोगों ने इसके पक्ष में अपनी राय जाहिर की। शहरी आबादी में 59 प्रतिशत तालिबान सरकार के गठन के पक्ष में अपना मंतव्य रखा जबकि 20 प्रतिशत ने कहा कि वे इससे नाखुश हैं। वहीं ग्रामीण आबादी में 53 प्रतिशत लोग पक्ष और 28 प्रतिशत विरोध में रहे।

कचरे के ढेर के नीचे मिला खजाना, छठी शताब्दी की 22 अनमोल ज्वेलरी मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई बार ऐसे खबरें सामने आई हैं जब उन जगहों पर पैसे और सोने-चांदी के खजाने निकल आए जहां से कोई उम्मीद नहीं कर सकता था। डेनमार्क से एक ऐसा ही मामला सामने आया है जहां कचरे के ढेर के पास बड़ा खजाना हाथ लग गया। यह सब तब हुआ जब पुरातत्वविदों की एक टीम ने यह कर दिखाया। इस खजाने में बहुत पुराने समय की 22 अनमोल ज्वेलरी निकली है, ये ज्वेलरी छठी शताब्दी की हैं।दरअसल, यह घटना डेनमार्क के कोपेनहेगन की है। 'यूरो न्यूज' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पुरातत्वविदों ने जमीन के नीचे छिपे सैकड़ों साल पुराने बेशकीमती खजाने की खोज की है और ये खजाना आखिरकार जाकर कचरे के ढेर के पास मिला है। वेजले संग्रहालय के पुरातत्वविदों ने पहले पैमाइश की और जब जगह का पता चल गया तो खुदाई शुरू कर दी गई।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

अफगान की नई सरकार को देख गुस्सा हुआ तजाकिस्तान, तालिबान को दे दी चेतावनी, पाक को भी लपेटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान राज में जिस तरह से अल्पसंख्यक समुदायों को नजरअंदाज किया गया है, उससे पड़ोसी तजाकिस्तान (ताजिकिस्तान) बहुत नाराज हो गया है। मध्य एशिया में भारत का रणनीतिक सहयोगी और अफगानिस्तान के पड़ोसियों में से एक ताजिकिस्तान ने काबुल में तालिबान सरकार के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है।

इसकी वजह है कि तालिबान की सरकार में केवल पश्तून समुदाय की भागीदारी। तजाकिस्तान की आपत्ति इस बात को लेकर है कि यह तो केवल पश्तुनों की सरकार है, इसमें न तो ताजिक समुदाय को उचित भागीदारी मिली है और न तो हजारा को। तजाकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन ने सख्त लहजे में तालिबान से सरकार में सभी अल्पसंख्यकों की भागीदारी के साथ अफगान में एक समावेशी सरकार लाने को कहा है। साथ ही नाम लिए बगैर पाकिस्तान को भी लपेटा है।

पिछले दो दशक से तजाकिस्तान पर राज कर रहे रहमोन ने का मानना है कि अफगानिस्तान की राजनीतिक समस्याओं को दूर करने के लिए सभी अल्पसंख्यकों की भागीदारी के साथ एक समावेशी सरकार बनाना आवश्यक है। दरअसल, तालिबान ने अपनी अंतरिम सरकार में अल्पसंख्यक समुदायों को बहुत ही कम जगह दी है। अफगान में नवनियुक्त 33 मंत्रियों में से 90 फीसदी मंत्री केवल पश्तून समुदाय के हैं, जबकि हजारा समुदाय का एक भी मंत्री नहीं है। ताजिक और उज्बेक लोगों को भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। इसी वजह से तजाकिस्तान तालिबान पर गुस्सा है। ताजिक राष्ट्रपति इमोमली रहमोन ने अपने अधिकारियों से देश (तजाकिस्तान) में कट्टरपंथियों के उभार और उनकी विचारधारा को फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए कहा है।

इतना ही नहीं, ताजिक राष्ट्रपति ने नाम लिए बगैर पाकिस्तान पर ही हमला बोला है और कहा है कि पंजशीर घाटी में तालिबान की कब्जा करने की कोशिश को तीसरा देश (पाकिस्तान) मदद कर रहा है। खबरों की मानें तो पंजशीर में पाकिस्तान के स्पेशल फोर्सेस तालिबान की राह आसान कर रहे हैं। इतना ही हीं, तालिबान की ड्रोन से भी पाकिस्तान ने मदद की है।

तजाकिस्तान तालिबान पर इसलिए लगाम कसने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि उसे और उसके साथ-साथ रूस को भी डर है कि कट्टरपंथी विचारधारा का असर उनके शासित क्षेत्र में भी हो सकता है। मालूम हो कि अफगानिस्तान के साथ ताजिकिस्तान की सीमा 1,344 किलोमीटर तक फैली हुई है। इसका अधिकांश भाग पहाड़ी है, जिसकी निगरानी कठिन है। इधर रूस भी मध्य एशिया में इस्लामी आतंकवादियों की घुसपैठ के विस्तार की संभावना को देखते हुए चिंतित है। यही वजह है कि उसने ताजिकिस्तान को 12 बख्तरबंद वाहन और सैन्य उपकरणों की एक खेप भेजी है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि मास्को अपने मध्य एशियाई सहयोगी और अफगानिस्तान के पड़ोसी देश की ताकत बढ़ाना चाहता है। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी और देश पर तालिबान के कब्जे के बाद मास्को ने ताजिकिस्तान में सैन्य अभ्यास किया है। वहां अपने सैन्य अड्डे पर युद्ध साजो समान का विस्तार किया है। मालूम हो कि रूस का ताजिकिस्तान में विदेश का सबसे बड़ा हवाई पट्टी है। रूस मध्य एशिया में इस्लामी आतंकवादियों की घुसपैठ के विस्तार की संभावना को देखते हुए चिंतित है।